हर घर जल
जल जीवन मिशन
उत्तर प्रदेश

FEBRUARY
2025

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जल आपूर्ति विभाग
उत्तर प्रदेश सरकार

Swachh Sujal Gaon camp draws over 11 lakh visitors

Times News Network

Lucknow: The Swachh Sujal Gaon, developed by the departments of Namami Gange and Rural Water Supply at the ongoing Maha Kumbh, has attracted over 11 lakh visitors so far.

The camp, spread over an area of 40,000 sqft, showcases the transformation of Uttar Pradesh's rural landscape due to the state govt's initiatives. The departments are offering 'Jal Prasad' to visitors while daily Ganga Jal Aarti is performed in the village each evening.

A spokesperson said that footfall went up significantly on important days like Jan 19, Jan 24, Jan 26, and Feb 9, when the number of visitors exceeded a lakh each day.

"Visitors are also being introduced to the success of the Jal Jeevan Mission, which has ensured that every household in Bundelkhand now has access to clean

JAL JEEVAN

drinking water. This transformation from the underdeveloped, water-scarce Bundelkhand before 2017 to its present improved state is being highlighted for visitors," the official said. Various programmes, including exhibitions, are being held in the village. Rural women from Bundelkhand have been given a platform to share stories of how access to clean water transformed their lives.

The 'Swachh Sujal Gaon', based on the theme of 'Peyjal Ka Samadhan, Mere Gaon Ki Nai Pehchaan', will be open for visitors till Feb 26. Information is available in five languages, Hindi, English, Bengali, Telugu, and Marathi, to ensure that visitors from all over the country can connect with the changes taking place in UP.

A 'Jal Mandir' has also been constructed there, where a bust of Lord Shiva has been set up with water flowing from his hair, symbolising the arrival of the Ganga on Earth.

Swachh Sujal Gaon draws over 11 lakh visitors

Lucknow/Mahakumbh Nagar (PNS): The Swachh Sujal Gaon, developed by the Namami Gange and Rural Water Supply Departments at Maha Kumbh mela area under the leadership of Chief Minister Yogi Adityanath, has attracted over 11 lakh visitors so far.

Spread over an area of 40,000 square feet, Swachh Sujal Gaon, showcases transformation of Uttar Pradesh's rural landscape under the state government's initiatives. It offers visitors a glimpse into Uttar Pradesh's success story, showcasing villages transformed by landmark state government reforms. The Swachh Sujal Gaon also reflects the age-old tradition of 'Atithi Devo Bhava', during their visit visitors are served 'jal prasad' (water offerings) in jute bags, which includes water from the Sangam, a diary related to the Jal Jeevan Mission, and educational materials related to success stories and transformations that have taken place. Additionally, daily Gangajal aarti is held in the village each evening. The village continues to receive a steady influx of visitors, with significant footfall on specific dates such as January 19, January 24, January 26 and February 9, when the number of visitors exceeded one lakh each day. However, entry to the village was restricted on major bathing festivals.

Visitors are also being introduced to the success of the Jal Jeevan Mission under the guidance of Prime Minister Narendra Modi and Chief Minister Yogi Adityanath, which has ensured that every household in Bundelkhand now has access to clean drinking water. This transformation from the underdeveloped, water-scarce Bundelkhand before 2017 to its present improved state is also being highlighted for visitors.

Visitors can also witness the modern day story of Uttar Pradesh's rural development, including the PM Awas Yojana, CM Awas Yojana, village panchayats, and the use of solar energy to create a prosperous, sustainable environment.

The Swachh Sujal Gaon will be open for visitors until February 26. Various programmes, including exhibitions, are being held in the village. Rural women from Bundelkhand have been given a platform to share their stories of how access to clean water has transformed their lives.

जल-जीवन मिशन 2028 तक बढ़ा 100% घरों में नल से पहुंचेगा जल

जल-जीवन मिशन को 2028 तक बढ़ा दिया गया है। इसके तहत 15 करोड़ परिवारों यानी भारत की ग्रामीण आबादी के 80 प्रतिशत हिस्से को पीने के पानी का कनेक्शन दिया गया है। ग्रामीण भारत की सौ फीसदी आबादी को इसके दायरे में लाने के लिए योजना को आगे बढ़ाया गया है। वहीं पेयजल और स्वच्छता के लिए 74,226 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसमें अधिकतम राशि जल जीवन मिशन के लिए दी गई है। मौजूदा आवंटन 2024-25 के 29,916 करोड़ रुपये के संशोधित अनुमान से काफी अधिक है।

जारी रहेगा जल जीवन मिशन, रखरखाव पर जोर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : पानी के बिना काम नहीं चलेगा और यह अनवरत मिलना भी चाहिए। जल जीवन मिशन शत-प्रतिशत ग्रामीण घरों में यह आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने के साथ ही इसकी निरंतरता की भी चिंता करेगा। 2019 में शुरू किए गए इस मिशन को ना केवल 2028 तक विस्तार मिल गया है, बल्कि केंद्र सरकार ने इसके तहत गांवों में पानी की आपूर्ति के बुनियादी ढांचे की स्थायी व्यवस्था करने का भी फैसला किया है।

राज्यों को इसके लिए केंद्र सरकार के साथ नए सिरे से एमओयू पर हस्ताक्षर करने होंगे। इस पहल के जरिये केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन को लेकर उठ रहे इन सवालों के जवाब दे दिए हैं कि नल से जल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के बाद इसकी निरंतरता की चिंता कौन करेगा यानी पाइप के जरिये जलापूर्ति में रखरखाव और मरम्मत का खर्च कौन उठाएगा।

2028
तक शत-प्रतिशत कवरेज के लिए मिशन को मिला विस्तार

- **राज्यों को मरम्मत और रखरखाव के लिए करने होंगे एमओयू**

वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में जल जीवन मिशन का महत्व रेखांकित करते हुए कहा कि इसके तहत अब तक 15 करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल से पानी की आपूर्ति की जा चुकी है। यह कुल ग्रामीण आबादी का लगभग 80 प्रतिशत है। 15 अगस्त, 2019 को जब पीएम ने इस मिशन की शुरुआत की थी तब केवल तीन करोड़ ग्रामीण घरों में टैप से पानी की आपूर्ति की सुविधा थी, लेकिन पांच साल में अब ऐसे घरों की संख्या पांच गुना बढ़ चुकी है। विश्व बैंक और डब्ल्यूएचओ सरीखे संगठनों ने भी इस मिशन को ग्रामीण जीवन में बुनियादी बदलाव लाने वाला बताया है। जलशक्ति मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार इस मिशन के तहत सौ प्रतिशत कवरेज का लक्ष्य इस साल के अंत तक हासिल हो जाने की संभावना है। इसके बाद मिशन का मुख्य फोकस ओएंडएम यानी संचालन तथा रखरखाव पर होगा। इस मिशन में दो करोड़ रोजगार सृजित होने की भी संभावना है।

अगले वित्तीय वर्ष में इस मिशन में 67 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। मौजूदा वित्तीय वर्ष में भी 70 हजार करोड़ रुपये से अधिक का आवंटन किया गया था, लेकिन चुनावी वर्ष होने और मिशन के भविष्य को लेकर असमंजस की स्थिति के कारण लगभग 23 हजार करोड़ रुपये ही खर्च किए जा सके। मूल योजना के तहत दिसंबर, 2024 तक सभी ग्रामीण घरों में नल से जल की आपूर्ति सुनिश्चित हो जानी चाहिए थी, लेकिन कोविड महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण पाइप आदि के आयात में दिक्कतों के चलते ऐसा नहीं हो सका।

epaper हिन्दुस्तान

Share Copy url Save Font Size D'load Image Image Text Listen

यूपी में गांवों के तीन करोड़ घरों तक पहुंचेगा नल से जल

लखनऊ, विशेष संवाददाता। प्रदेश में हर घर तक जल पहुंचाने की मुहिम अब तेजी से पूरी हो सकेगी। केंद्रीय बजट में जल जीवन मिशन को 2028 तक बढ़ाए जाने की घोषणा से यूपी को खासा फायदा होगा।

इससे प्रदेश के 3.33 करोड़ ग्रामीण परिवारों तक पानी पहुंचने का मार्ग प्रशस्त होगा। केंद्र ने आगामी वित्तीय वर्ष के लिए इस योजना के लिए 67 हजार करोड़ का प्रावधान किया है। इसमें सात हजार करोड़ से अधिक यूपी के हिस्से आने की संभावना है। प्रदेश में जल जीवन मिशन के तहत 2 करोड़ 67 लाख 28 हजार 935 परिवार चिन्हित किए गए थे। विभाग की मानें तो इनमें से 2 करोड़ 33 लाख 95 हजार 250

07 हजार करोड़ से अधिक यूपी के हिस्से में बजट

- योजना की अवधि बढ़ने से कई परिवारों को लाभ
- जल जीवन मिशन ग्रामीण क्षेत्रों की लाइफलाइन:सिंह

परिवारों को पानी का कनेक्शन दिया जा चुका है। ऐसे में अब 3 करोड़ 33 लाख 3 हजार 685 परिवार शेष हैं। योजना की अवधि बढ़ने से अब इन परिवारों के यहां भी पानी का कनेक्शन पहुंच सकेगा। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा कि 2.34 करोड़ ग्रामीण परिवारों तक जल जीवन मिशन के तहत नल कनेक्शन दिया जा चुका है।

'Jal Jeevan Mission's extension will accelerate rural devpt'

Lucknow: Jal Shakti Minister Swatantra Dev Singh on Saturday welcomed the central govt's decision to extend Jal Jeevan Mission (JJM) programme until 2028.

"JJM has become a lifeline for the development of Uttar Pradesh and the country," the minister said.

He said the decision demonstrated the double-engine govt's dedication to fulfilling the 'Har Ghar Jal' commitment.

He said the extension of JJM would accelerate the rural development mission in the state. TNN

जल जीवन मिशन योजना की अवधि 2028 तक बढ़ाने का हार्दिक स्वागत : स्वतंत्र देव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने शनिवार को प्रस्तुत केंद्रीय बजट पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट में किसान, युवा, गरीब और नारी शक्ति तथा अन्नदाता पर विशेष फोकस किया गया है। जलशक्ति मंत्री ने केंद्रीय बजट में जल जीवन मिशन योजना की अवधि 2028 तक बढ़ाने के एलान का स्वागत करते हुए कहा कि इससे उत्तर प्रदेश के हर ग्रामीण घर तक नल कनेक्शन के जरिए शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का ये फैसला दिखाता है कि डबल इंजन की सरकार गांव के हर तक शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है। जल जीवन मिशन अब यूपी सहित देश के विकास की लाइफलाइन बन चुका है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में उत्तर प्रदेश के 2.34 करोड़ ग्रामीण परिवारों तक जल जीवन मिशन के तहत नल कनेक्शन दिया जा चुका है। बुदेलखंड और विन्ध्य क्षेत्र के लगभग 100 प्रतिशत घरों में नल से जल की सप्लाई राज्य सरकार सुनिश्चित कर रही है। जल जीवन मिशन योजना की समयावधि बढ़ने से गांवों के विकास की रफ्तार और तेज होगी।

जल धारा से जीवन धारा पुस्तक कर रही जागरूक

महाकुंभ नगर। सेक्टर-सात में बसाए गए जल जीवन मिशन के स्वच्छ सुजल गांव में आने वाले श्रद्धालुओं को पुराने और नए बुंदेलखंड के गांवों के प्रोटोटाइप के साथ जल धारा से जीवन धारा पुस्तिका भी आकर्षित कर रही है। जैसे स्वच्छ सुजल गांव में नए और पुराने बुंदेलखंड को दिखाया गया है, वैसे ही जल धारा से जीवन धारा पुस्तिका में बुंदेलखंड-विंध्य की असली कहानियां हैं, जिससे पता लगता है कि इन क्षेत्रों के लोगों को घर-घर नल से जल पहुंचने से पहले किन दुश्वारियों का सामना करना पड़ता था। यह पुस्तिका श्रद्धालुओं को निशुल्क दी जा रही है। संवाद

जल धारा से जीवन धारा पुस्तिका के जरिए श्रद्धालु जान रहे यूपी में जल जीवन मिशन के सफलता की कहानी

प्रदेश की 13 सच्ची कहानियों पर आधारित है जल धारा से जीवन धारा पुस्तिका, पुस्तिका की कहानियां पढ़ युवा कर रहे जल जीवन मिशन की तारीफ

अमृतकाल संवाददाता।

प्रयागराज। जल जीवन मिशन के स्वच्छ सुजल गांव में आने वाले श्रद्धालुओं को पुराने और नए बुंदेलखंड के गांवों के प्रोटोटाइप के साथ-साथ ह्यजल धारा से जीवन धाराह्न पुस्तिका भी आकर्षण का केन्द्र बनी हुई है। जैसे स्वच्छ सुजल गांव में नए और पुराने बुंदेलखंड को दिखाया गया है। वैसे ही ह्यजल धारा से जीवन धाराह्न पुस्तिका में बुंदेलखंड-विंध्य की असली कहानियां हैं, जिससे पता लगता है कि इन क्षेत्रों के लोगों को घर-घर नल से जल पहुंचने से पहले किन दुश्वारियों का सामना करना पड़ता था। महाकुंभ क्षेत्र के सेक्टर-7 में बसाए गए स्वच्छ सुजल गांव में आने वाले श्रद्धालुओं को ये पुस्तिका मुफ्त में दी जा रही है। जिसे पढ़कर श्रद्धालु भी भाव-विभोर हो रहे हैं। साथ ही उस पीढ़ा को भी महसूस कर रहे हैं, जो हर घर तक नल कनेक्शन पहुंचने से पहले यहां के लोगों ने झेली है।

ह्यजल धारा से जीवन धाराह्न पुस्तिका को पढ़कर सबसे ज्यादा भाव-विभोर वो युवा श्रद्धालु हो रहे हैं, जिन्होंने अपने बचपन के दिनों में इस त्रासदी को बहुत करीब से देखा है। साथ ही ये भी बता रहे हैं कि किस तरह से हर घर नल योजना ने उनके जीवन को बदला है। महाकुंभ में आए बुंदेलखंड के महोबा जिले के युवा श्रद्धालु विनोद बताते हैं कि पुस्तिका में जो कहानियां हैं, उनको उन्होंने बचपन में बहुत करीब से देखा है। मगर पिछले कुछ वर्षों में अब स्थितियां पूरी तरह से बदल गई हैं। जिससे क्षेत्र का विकास हो रहा है, साथ ही पलायन भी रूका है। ललितपुर से आई सीमा बताती हैं कि ये पुस्तिका वो प्रयागराज से एक याद के तौर पर ले जा रही हैं। जिसे आने वाली पीढ़ी को पढ़ाएंगी। जिससे नई पीढ़ी अपनी पुरानी पीढ़ी के दर्द को समझ सके।

महाकुंभ में आने वाले अन्य राज्यों के श्रद्धालु भी इन कहानियों को पढ़कर ये अचंभित हो रहे हैं कि किस तरह से बुंदेलखंड और विन्ध्य जैसे क्षेत्रों में इतने कम समय में जल जीवन मिशन के जरिए जीवन का आधार शुद्ध जल पहुंचाया जा रहा है और किस तरह से हर घर नल योजना यहां के लोगों का जीवन बदल रही है। साथ ही यूपी में जल जीवन मिशन में सोलर पावर इस्तेमाल के अभिनव प्रयोग की भी दूसरे राज्यों के लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं। दूसरे राज्यों के लोग इसे एक दूरदर्शी सोच के रूप में देख रहे हैं। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन योजना में सोलर पावर इस्तेमाल के अभिनव प्रयोग के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

महाकुंभ-2025 : 40 हजार स्क्वायर फीट से अधिक में बसाया गया है गांव

26 फरवरी तक गांव में देख सकेंगे सीएम योगी के नेतृत्व में आए यूपी के बदलाव की नई तस्वीर

11 लाख से अधिक आगंतुकों ने देखी 'स्वच्छ सुजल गांव' की तस्वीर

19 जनवरी, 24 जनवरी, 26 जनवरी और 9 फरवरी को गांव में आए सर्वाधिक पर्यटक व श्रद्धालु, प्रमुख स्नान पर्वों पर बंद रहा प्रवेश

योगी सरकार के नेतृत्व में नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग ने महाकुम्भ-2025 में 'स्वच्छ सुजल गांव' बसाया है। इसमें अब तक देश-दुनिया के 11 लाख से अधिक आगंतुक पहुंचे, जिन्होंने योगी सरकार के नेतृत्व में आए बदलाव के बाद यूपी के समृद्ध गांवों की कहानी देखी। नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग 'अतिथि देवो भवः' की परंपरा का भी निर्वहन कर रहा है। 'स्वच्छ सुजल गांव' में आने वाले आगंतुकों को 'जल प्रसाद' भी दिया जा रहा है। वहीं गांव में प्रतिदिन शाम को गंगा जल आरती भी हो रही है।

'पेयजल का समाधान, मेरे गांव की नई पहचान' थीम पर बसा है गांव

योगी सरकार के नेतृत्व में ग्रामीण जलापूर्ति व नमामि गंगे विभाग ने महाकुम्भ-2025 में 'स्वच्छ सुजल गांव' बसाया है। इसका दीदार 26 फरवरी तक किया जा सकेगा। 'पेयजल का समाधान, मेरे गांव की नई पहचान' थीम पर यह गांव 40 हजार स्क्वायर फिट एरिया में बसा है। कभी प्यासे रहे बुंदेलखंड में पीएम मोदी के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पेयजल की समस्या का समाधान हो गया है। इस गांव में अलग-अलग कार्यक्रम भी हो रहे हैं। प्रदर्शनी में बुंदेलखंड के ग्रामीण महिलाओं को मंच मुहैया कराया गया है, जिसमें वे जीवन और जीवनशैली में बदलाव की कहानी भी बयां कर रहे हैं। बांदा, झांसी, चित्रकूट के कई गांवों में पानी न होने के कारण शादी नहीं हो पाती थी। ललितपुर व महोबा के उन गांवों की महिलाएं, पानी ढोने के कारण जिनके सिर से बाल गायब हो गए थे। वे भी शुद्ध पानी से जीवन में आए बदलाव की कहानी को भी वे बयां कर रही हैं। यहां हर जानकारी पांच भाषा (हिंदी, अंग्रेजी, बांग्ला, तेलगू व मराठी) में मिल रही है।

बदले बुंदेलखण्ड के बदलाव की गाथा कह रहा है स्वच्छ सुजल गांव

पीएम मोदी के मार्गदर्शन व सीएम योगी के नेतृत्व में जल जीवन मिशन के जरिए बुंदेलखंड के गांव-गांव में हर घर जल पहुंचाने की नई तस्वीर से भी आगंतुक रूबरू हो रहे हैं। वे यहां 2017 से पहले बदहाल और इसके बाद बदले बुंदेलखंड के बदलाव की गाथा का भी दीदार कर रहे हैं। देश-दुनिया से आए श्रद्धालु 40 हजार स्क्वायर फिट एरिया में बसे गांव में पीएम आवास, सीएम आवास, ग्राम पंचायत, सोलर एनर्जी के जरिये समृद्ध उत्तर प्रदेश की नई कहानी भी देख रहे हैं। यह गाथा बदले यूपी की पहचान से हर आगंतुक को अवगत भी करा रही है।

स्वच्छ सुजल गांव में अभी तक 11 लाख से ज्यादा अतिथि आ चुके हैं

'स्वच्छ सुजल गांव' में अब तक 11 लाख से अधिक अतिथि पहुंच चुके हैं, जिन्होंने इस गांव के जरिए समृद्ध यूपी का दीदार किया। गांव में आगंतुकों का निरंतर आना जारी है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आ रहे हैं। 19 जनवरी, 24 जनवरी, 26 जनवरी और 9 फरवरी को यहां सर्वाधिक पर्यटक-श्रद्धालु आए। इन चार दिनों में प्रतिदिन यह संख्या एक लाख से अधिक रही। वहीं प्रमुख स्नान पर्वों पर यहां प्रवेश बंद रहा।

'जल मंदिर' भी दे रहा संदेश- जल जीवनदायी है, इसका संरक्षण करें

ग्रामीण जलापूर्ति व नमामि गंगे विभाग की तरफ से महाकुंभ में 'जल मंदिर' भी बनाया गया है। 'जल मंदिर' में भगवान शिव की जटा से गंगा धरती पर आ रही हैं। इसके जरिए संदेश दिया जा रहा है कि जल प्रसाद है, जल जीवनदायी है। इसे बर्बाद नहीं, बल्कि संरक्षण करें। 'जल मंदिर' में सुबह-शाम गंगा जल आरती भी हो रही है। इस आरती में जल जीवन मिशन की गाथा, जल संरक्षण का संदेश भी दिया जा रहा है।

'अतिथि देवो भवः' की परंपरा का भी निर्वहन कर रहा है विभाग

'अतिथि देवो भव :' भारत की परंपरा है। स्वच्छ सुजल गांव में आने वाले अतिथियों का नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग सम्मान भी कर रहा है। आगंतुकों को जूट-कपड़े के बैग में 'जल प्रसाद' भी दिया जा रहा है। इसमें संगम का जल, जल जीवन मिशन की डायरी, सफलता/बदलाव की कहानी से जुड़ी आदि अध्ययन सामग्री भी है।

11 लाख से अधिक आगंतुकों ने देखी 'स्वच्छ सुजल गांव' की तस्वीर

- महाकुम्भ में 40 हजार स्क्वायर फिट में बसाया गया है गांव
- 'स्वच्छ सुजल गांव' में प्रतिदिन हो रही गंगा जल आरती

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ/महाकुम्भ नगर। योगी सरकार के नेतृत्व में नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग ने महाकुम्भ-2025 में 'स्वच्छ सुजल गांव' बसाया है। इसमें अब तक देश-दुनिया के 11 लाख से अधिक आगंतुक पहुंचे, जिन्होंने योगी सरकार के नेतृत्व में आए बदलाव के बाद यूपी के समृद्ध गांवों की कहानी देखी। नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग 'अतिथि देवो भवः' की परंपरा का भी निर्वहन कर रहा है। 'स्वच्छ सुजल गांव' में आने वाले आगंतुकों को 'जलप्रसाद' भी दिया जा रहा है। वहीं गांव में प्रतिदिन शाम को गंगा जल आरती भी हो रही है।

'स्वच्छ सुजल गांव' में अब तक 11 लाख से अधिक अतिथि पहुंच चुके हैं, जिन्होंने इस गांव के जरिए समृद्ध यूपी का दीदार किया। गांव में आगंतुकों का निरंतर आना जारी है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आ रहे हैं। 19 जनवरी, 24 जनवरी, 26 जनवरी और 9 फरवरी को यहां सर्वाधिक पर्यटक-श्रद्धालु आए। इन चार दिनों में प्रतिदिन यह संख्या एक लाख से अधिक रही। वहीं प्रमुख स्नान पर्वों पर यहां प्रवेश बंद रहा। पीएम मोदी के मार्गदर्शन व सीएम योगी के नेतृत्व में जल जीवन मिशन के जरिए बुंदेलखंड के गांव-गांव में हर घर जल पहुंचाने की नई तस्वीर से भी आगंतुक रूबरू हो रहे हैं। वे यहां 2017 से पहले बदहाल और इसके बाद बदले बुंदेलखंड के बदलाव की गाथा का भी दीदार कर रहे हैं। देश-दुनिया से आए श्रद्धालु 40 हजार स्क्वायर फिट एरिया में बसे गांव में पीएम आवास, सीएम आवास, ग्राम पंचायत, सोलर एनर्जी के जरिये समृद्ध उत्तर प्रदेश की नई कहानी भी देख रहे हैं। यह गाथा बदले यूपी की पहचान से हर आगंतुक को अवगत भी करा रही है।

योगी सरकार के नेतृत्व में ग्रामीण जलापूर्ति व नमामि गंगे विभाग ने महाकुम्भ-2025 में 'स्वच्छ सुजल गांव' बसाया है। इसका दीदार 26 फरवरी तक किया जा सकेगा। 'पेयजल का समाधान, मेरे गांव की नई पहचान' थीम पर यह गांव 40 हजार स्क्वायर फिट एरिया में बसा है। कभी प्यासे रहे बुंदेलखंड में पीएम मोदी के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पेयजल की समस्या का समाधान हो गया है। इस गांव में अलग-अलग कार्यक्रम भी हो रहे हैं। प्रदर्शनी में बुंदेलखंड के ग्रामीण महिलाओं को मंच मुहैया कराया गया है, जिसमें वे जीवन और जीवनशैली में बदलाव की कहानी भी बयां कर रहे हैं। बांदा, झांसी, चित्रकूट के कई गांवों में पानी न होने के कारण शादी नहीं हो पाती थी। ललितपुर व महोबा के उन गांवों की महिलाएं, पानी ढोने के कारण जिनके सिर से बाल गायब हो गए थे। वे भी शुद्ध पानी से जीवन में आए बदलाव की कहानी को भी वे बयां कर रही हैं।

वॉटर टेस्टिंग लैब से पानी की गुणवत्ता जांच रहे श्रद्धालु

महाकुंभ नगर के सेक्टर-7 स्थित जल जीवन मिशन की स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी में आने वाले श्रद्धालुओं को जल जीवन मिशन से ग्रामीण लोगों का जीवन कैसे बदला इसकी जानकारी तो मिल ही रही है। साथ ही उनके घरों में कितना शुद्ध पानी सप्लाई हो रहा है, इसकी जानकारी भी दी जा रही है। स्वच्छ सुजल गांव में बनी वॉटर टेस्टिंग लैब में प्रयागराज के आसपास के जिलों और महाकुंभ नगर में स्टॉल लगाने वाली विभिन्न संस्थाएं भी पानी की टेस्टिंग करवा रही हैं और पानी की शुद्धता जांच रही हैं।

12 लाख से अधिक ने देखी 'स्वच्छ सुजल गांव' की तस्वीर

योगी सरकार के नेतृत्व में नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग ने महाकुम्भ-2025 में 'स्वच्छ सुजल गांव' बसाया है। इसमें अब तक देश-दुनिया के 12 लाख से अधिक आगंतुक पहुंचे, जिन्होंने यूपी में आए बदलाव के बाद समृद्ध गांवों की कहानी देखी। नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग 'अतिथि देवो भवः' की परंपरा का भी निर्वहन कर रहा है। 'स्वच्छ सुजल गांव' में आने वाले आगंतुकों को 'जलप्रसाद' भी दिया जा रहा है। 19 जनवरी, 24 जनवरी, 26 जनवरी और 9 फरवरी को यहां सर्वाधिक पर्यटक-श्रद्धालु आए। इन चार दिनों में प्रतिदिन यह संख्या एक लाख से अधिक रही।

इस गांव में अलग-अलग कार्यक्रम भी हो रहे हैं। प्रदर्शनी में बुंदेलखंड

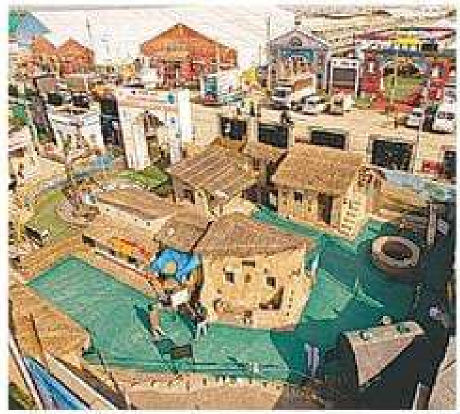

के ग्रामीण महिलाओं को मंच मुहैया कराया गया है, जिसमें वे जीवन और जीवनशैली में बदलाव की कहानी भी बयां कर रहे हैं। यहां हर जानकारी पांच भाषाओं (हिंदी, अंग्रेजी, बांग्ला, तेलगू व मराठी) में मिल रही है।

महाकुम्भ में 'जल मंदिर' भी बनाया गया है। इसके जरिए संदेश दिया जा रहा है कि जल प्रसाद है, जल जीवनदायी है। इसे बर्बाद नहीं, बल्कि संरक्षण करें।

प्रयागराज महाकुम्भ में पवित्र संगम में स्नान के बाद पूजा-अर्चना का परम सौभाग्य मिला। मां गंगा का आशीर्वाद पाकर मन को असीम शांति और संतोष मिला है। उनसे समस्त देशवासियों की सुख-समृद्धि, आरोग्य और कल्याण की कामना की। हर-हर गंगे!

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

56.75 करोड़ श्रद्धालुओं ने किया पुण्य स्नान
(19 फरवरी, 2025 रात्रि 8 बजे तक)

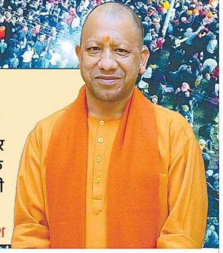

महाकुम्भ आस्था का महापर्व है, जिसमें पूरे देश और दुनिया के लोग भाग लेने के लिए उत्साहित हैं। सभी का सकारात्मक सहयोग इस आयोजन की सफलता को कई गुना बढ़ा सकता है। महाकुम्भ में स्वच्छता बनाए रखना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। सभी श्रद्धालुओं का आह्वान है कि वे स्वयं भी स्वच्छता का पालन करें और अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। भगवान तीर्थराज प्रयाग की जय!

योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

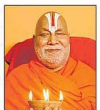

मैंने इस कुम्भ में साक्षात 'अमृतयोग' का अनुभव किया है। त्रिवेणी संगम के पानी में जो अमरत्व और आध्यात्मिक शक्ति समाई है, उसे मैंने स्वयं अनुभव किया है। इस बार का कुम्भ हर दृष्टि से अद्वितीय है। मैं 1977 से कुम्भ में आ रहा हूं, लेकिन इससे अधिक सुंदर और दिव्य कुम्भ मैंने पहले कभी नहीं महसूस किया। यह आयोजन वास्तव में भव्यता, भक्ति और भारतीय संस्कृति का अद्भुत संगम है।

जगदगुरु रामभद्राचार्य, तुलसी पीठाधीश्वर

मैंने पहला कुम्भ आठवें दशक में किया था। चार बार इस आयोजन में भाग ले चुका हूं। इस बार जो महाकुम्भ है ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। यह तो अद्भुत है। गंगा का पानी उन दिनों में इतना स्वच्छ नहीं था। आज देखने से लगता है कि यह स्वच्छ है। स्वच्छता है और प्रशासनिक व्यवस्था अच्छी है। मेला क्षेत्र विस्तारित है। लोग कह रहे हैं कि ज्यादा चलना पड़ता है। मेरा मानना है कि यह स्वास्थ्य के लिए अच्छा है।

श्रीश्री रविशंकर, आध्यात्मिक संत

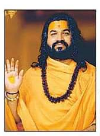

महाकुम्भ से विश्व की एकता और अखंडता का संदेश गया है। सबके पूर्वज सनातनी वैदिक आर्य हिंदू थे। यहां तक कि दूसरे धर्म को मानने वाले हजारों लोगों ने भी इस पवित्र धरा पर स्नान, जप-तप करके स्वयं की अंतरात्मा पवित्र की। धर्म के साथ देश की भक्ति होनी चाहिए। संतों ने इसी के निमित्त आराध्य की स्तुति की है।

स्वामी महेंद्रानंद गिरि, जगदगुरु गर्गाचार्य

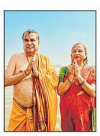

यह एक अलग प्रकार का दिव्य अनुभव है जो वर्षों तक स्मृतियों में रहेगा। डुबकी लगाने के बाद विशिष्ट प्रकार का अनुभव हो रहा है। तीर्थराज प्रयाग न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि सारे देश और विश्व की आस्था के केंद्र में है। ऐसे में देश-दुनिया से करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु यहां आ रहे हैं। इस सारी व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखने के लिए योगी सरकार और स्थानीय प्रशासन बधाई का पात्र है।

नितिन गडकरी
केंद्रीय मंत्री, सड़क, परिवहन एवं राज मार्ग

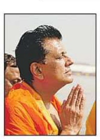

विश्व भर के लोगों की आस्था देख कर आनंद की अनुभूति हो रही है। हमारा सनातन धर्म सुरक्षित है और यह देश को नई ऊंचाइयों पर लेकर जाएगा। महाकुम्भ में आने का सौभाग्य मिलना एक आशीर्वाद जैसा है।

पीयूष गोयल
केंद्रीय मंत्री, वाणिज्य एवं उद्योग

इस ऐतिहासिक क्षण में अपने परिवार के साथ यहां आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। 144 वर्षों बाद यह अवसर आया है। मैं स्वयं को भाग्यशाली मानता हूं कि इस पुण्य पर्व का हिस्सा बन सका। जिस तरह से योगी सरकार ने इस महाआयोजन की व्यवस्थाएं की हैं, उसकी पूरी दुनिया में सराहना हो रही है।

देवेंद्र फडणवीस
मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र

मानव इतिहास में इससे बड़ा कोई आयोजन कभी नहीं हुआ, न अमेरिका में, न यूरोप में, न चीन में और न ही विश्व के किसी अन्य कोने में। ये श्रद्धालु यहां देवों का आशीर्वाद लेने, आध्यात्मिक और भावनात्मक यात्रा पर निकलने, मित्रता को प्रगाढ़ करने तथा परिवार के साथ पर्व मनाने के लिए जुटे हैं। ये मेरे लिए अविस्मरणीय अनुभव है। मुझे यहां आकर बहुत खुशी हुई है।

एरिक सोलहेम

स्वच्छ कुम्भ : निर्मल स्वच्छ गंगा-यमुना

महाकुम्भ में 55 करोड़ श्रद्धालुओं के डुबकी लगाने के बावजूद गंगाजल की गुणवत्ता में गिरावट नहीं आई है। संगम का जल स्नान के लिए उपयुक्त है। नमामि गंगे विभाग द्वारा गंगा और यमुना के जल की गुणवत्ता पर एक रिपोर्ट सोशल मीडिया पर जारी रिपोर्ट में डिजॉल्व्ड ऑक्सीजन की मात्रा मानक के अनुरूप पाई गई है। जबकि गंगा में पीएच की मात्रा थोड़ी अधिक मिली है। रिपोर्ट के मुताबित नैनी में यमुना में डिजॉल्व्ड ऑक्सीजन 8.18 पीएच, शास्त्री ब्रिज के नीचे गंगा में 7.92 पीएच और छतनाग में 8.02 पीएच पाया गया है। नदियों में न्यूनतम डिजॉल्व्ड ऑक्सीजन का मानक 5 मिलीग्राम प्रति लीटर होना चाहिए। नैनी में यमुना के जल में पीएच और रंग मानक के अनुरूप है। हालांकि पीएच की मात्रा थोड़ी अधिक है। शास्त्री ब्रिज के नीचे गंगा में पीएच 8.19 और छतनाग में 8.27 पीएच रहा। गंगा के दोनों स्थानों पर जल का रंग हल्का भूरा मिला है। जानकार कहते हैं कि प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों के स्नान करने से थोड़ा पीएच बढ़ा है और रंग हल्का भूरा है, इससे पानी की गुणवत्ता खराब नहीं

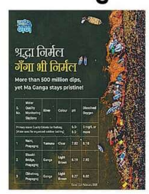

हुई। डिजॉल्व्ड ऑक्सीजन की मात्रा बेहतर होने से गंगा-यमुना के जलीय जीवों को भी कोई खतरा नहीं है।

प्रतिदिन 650 मी.टन कचरे का निस्तारण	120 हॉपर टिपर ट्रक एवं 40 कॉम्पैक्ट का संचालन	1500 गंगा सेवा दूतों की तैनाती
350 सक्शन मशीन के माध्यम से नदियों में जीरो डिस्चार्ज सुनिश्चित	3-3 स्थायी एवं अस्थायी एसटीपी की स्थापना	94 सक्शन मशीन का संचालन जलीय कचरे के निस्तारण हेतु

12 लाख से अधिक ने देखी 'स्वच्छ सुजल गांव' की तस्वीर

योगी सरकार के नेतृत्व में नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग ने महाकुम्भ-2025 में 'स्वच्छ सुजल गांव' बसाया है। इसमें अब तक देश-दुनिया के 12 लाख से अधिक आगंतुक पहुंचे, जिन्होंने यूपी में आए बदलाव के बाद समृद्ध गांवों की कहानी देखी। नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग 'अतिथि देवो भवः' की परंपरा का भी निर्वहन कर रहा है। 'स्वच्छ सुजल गांव' में आने वाले आगंतुकों को 'जलप्रसाद' भी दिया जा रहा है। 19 जनवरी, 24 जनवरी, 26 जनवरी और 9 फरवरी को यहां सर्वाधिक पर्यटक-श्रद्धालु आए। इन चार दिनों में प्रतिदिन यह संख्या एक लाख से अधिक रही।

इस गांव में अलग-अलग कार्यक्रम भी हो रहे हैं। प्रदर्शनी में बुंदेलखंड

के ग्रामीण महिलाओं को मंच मुहैया कराया गया है, जिसमें वे जीवन और जीवनशैली में बदलाव की कहानी भी बयां कर रहे हैं। यहां हर जानकारी पांच भाषाओं (हिंदी, अंग्रेजी, बांग्ला, तेलगू व मराठी) में मिल रही है।

महाकुम्भ में 'जल मंदिर' भी बनाया गया है। इसके जरिए संदेश दिया जा रहा है कि जल प्रसाद है, जल जीवनदायी है। इसे बर्बाद नहीं, बल्कि संरक्षण करें।

रुद्री पाठ का बना रिकॉर्ड

एशिया और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड ने दी मान्यता, 11,151 बार पाठन, 26 लाख से अधिक मंत्रोच्चार

महाकुम्भ में लगातार 33 दिनों तक रुद्री संहिता का पाठ कर वेदपाठियों रिकॉर्ड कायम किया है। एशिया और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड ने आधिकारिक रूप से इस मैराथन मंत्रोच्चार को मान्यता दी है। 14 जनवरी को भोर में तीन बजे से प्रारंभ हुए इस रुद्री पाठ का 16 फरवरी को भोर में चार बजे समापन हुआ। इस रिकॉर्ड में कुल

566 वेदपाठियों ने शुक्ल यजुर्वेद से रुद्राष्टाध्यायी संहिता (रुद्री पाठ) का 11,151 बार पाठन किया। इस दौरान कुल 794 घंटों तक 26,42,409 मंत्रों का जाप हुआ।

पेन-पेंसिल से उगेगा पौधा

महाकुम्भ में इस तरह की पेन और पेंसिल बिक रही है, जो लिखने के काम तो आएगी ही स्याही समाप्त होने पर जब इसे गमले या मिट्टी में फेकेंगे तो पौधा उग जाएगा। इसमें सिर्फ प्लांटेबल पेन और पेंसिल ही नहीं, ट्रैवलर कैलेंडर भी शामिल है, इसकी खासियत यह है कि महीना समाप्त होने के बाद जब आप कैलेंडर के उस माह का पेज फाड़कर अपने गार्डन में फेंकेंगे तो उससे भी पौधा उग जाएगा। कैलेंडर में यह जानकारी भी दी गई है कि किस माह के पेज से कौन सा पौधा उगेगा। यहां से बैज, गुल्लक, मग, प्लेट, फ्रिज मैगनेज के साथ ही कॉपर की बोतल आदि की भी बिक्री की जा रही है।

श्रद्धा और सेवा का अनूठा संगम

उत्तर प्रदेश की डबल इंजन सरकार प्रदेश के विकास के साथ-साथ समाज के हर वर्ग का ध्यान रख रही है। विशेष रूप से समाज के उन वर्गों के लिए जो अक्सर उपेक्षित रह जाते हैं। इस दिशा में योगी सरकार ने अनूठी पहल करते हुए महाकुम्भ में निराश्रित वृद्धजनों को संगम स्नान कराने की व्यवस्था की है। यह पहल न केवल बुजुर्गों के सम्मान और सुविधा को बढ़ावा देती है, बल्कि समाज में सेवा और समरसता की मिसाल भी पेश करती है।

कुम्भ क्षेत्र में पहली बार समाज कल्याण विभाग द्वारा एक विशेष कैंप स्थापित किया गया, जहां 100 बेड की क्षमता वाला आश्रम तैयार किया गया है। यहां बुजुर्गों के लिए निःशुल्क भोजन, आवास और चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था की गई है।

- **बुजुर्गों के लिए महाकुम्भ में विशेष शिविर का हो रहा संचालन**
- **विशेष कैंप में 100 बेड की क्षमता वाला आश्रम**

त्रिदिवसीय बर्ड फेस्टिवल

वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता को बढ़ावा देने के लिए इंटरनेशनल बर्ड फेस्टिवल आयोजित किया गया जिसमें लगभग 200 प्रजातियों के पक्षियों का महाकुम्भ भी हुआ । यहां लोगों ने साइबेरिया, मंगोलिया, अफगानिस्तान समेत लगभग एक दर्जन से अधिक देशों से साइबेरियन पक्षी का भी दीदार किया। इस मौके पर हुई फोटोग्राफी, पेंटिंग, नारा लेखन, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। यूके से आईं एमा ने बताया कि

वे पहली बार कुम्भ मेला में भाग लेने भारत आई हैं। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ में दिव्यता की अनुभूति करने के साथ यहां आयोजित बर्ड फेस्टिवल को भी देखने का अवसर प्राप्त हुआ। कहा, मानव सभ्यता के साथ ही पर्यावरण और जैविक संरक्षण की दिशा में हो रहे कार्यों की जितनी प्रशंसा हो वह कम है।

भगवान बुद्ध की प्रतिमा आकर्षण का केन्द्र

महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं को विभिन्न शिविरों में लगी देवी-देवताओं की दिव्य प्रतिमाएं आकर्षित कर रही हैं। इन्हीं प्रतिमाओं से एक भगवान बुद्ध की है जो इन दिनों सोशल मीडिया पर छाई हुई है। हिमालय बौद्ध संस्कृति संरक्षण सभा और उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग के अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान की ओर से सेक्टर 18 में स्थापित बौद्ध विशेष संगम शिविर के बाहर लगी पीले रंग की गांधार शैली की भगवान बुद्ध की खड़ी प्रतिमा लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रही है। प्रतिमा के

11 देश के लामा और बौद्ध भिक्षुओं का आगमन हुआ

साथ फोटो और सेल्फी लेकर लोग अपने फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम और दूसरे सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा कर रहे हैं। गूगल से रिपोर्ट लेने पर पता चला है कि 80 लाख से अधिक लोगों ने इस प्रतिमा को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा किया है, जो निश्चित रूप से भगवान बुद्ध के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था और आकर्षण को दर्शाता है। महाकुम्भ के दौरान इस शिविर में 11 देशों के लामा और बौद्ध भिक्षुओं का आगमन हुआ। रूस, मंगोलिया, कोरिया, नेपाल, भूटान, बर्मा, वियतनाम, कंबोडिया, तिब्बत, जापान और श्रीलंका से लामा और भिक्षुओं ने आकर बौद्ध और सनातन धर्म के आपसी संबंध को मजबूत बनाने का काम किया।

महाकुम्भ हेल्पलाइन	1920	112	1010	102, 108	18004199139
	महाकुम्भ मेला हेल्पलाइन	इमरजेंसी सर्विस	खाद्य एवं रसद हेल्पलाइन	एम्बुलेंस सेवा	रेलवे हेल्पलाइन

प्रीमियम अमर उजाला

UP: जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह बोले- बजट से बढ़ेगी विकास की रफ्तार, जल जीवन मिशन से विकसित होंगे गांव

अमर उजाला नेटवर्क, लखनऊ Published by: श्याम जी. Updated Sat, 01 Feb 2025 07:42 PM IST

सार

146460 Followers लखनऊ ☆

उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने शनिवार को प्रस्तुत केंद्रीय बजट पर अपनी प्रतिक्रिया दी। जलशक्ति मंत्री ने केंद्रीय बजट में जल जीवन मिशन योजना की अवधि 2028 तक बढ़ाने के एलान का स्वागत किया।

जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह - फोटो : @swatantrabjp

उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने शनिवार को प्रस्तुत केंद्रीय बजट पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट में किसान, युवा, गरीब और नारी शक्ति तथा अन्नदाता पर विशेष फोकस किया गया है।

जलशक्ति मंत्री ने केंद्रीय बजट में जल जीवन मिशन योजना की अवधि 2028 तक बढ़ाने के एलान का स्वागत करते हुए कहा कि इससे उत्तर प्रदेश के हर ग्रामीण घर तक नल कनेक्शन के जरिए शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का ये फैसला दिखाता है कि डबल इंजन की सरकार गांव के हर तक शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है। जल जीवन मिशन अब यूपी सहित देश के विकास की लाइफलाइन बन चुका है।

जलशक्ति मंत्री ने कहा कि मौजूदा समय में उत्तर प्रदेश के 2.34 करोड़ ग्रामीण परिवारों तक जल जीवन मिशन के तहत नल कनेक्शन दिया जा चुका है। बुदेलखंड और विन्ध्य क्षेत्र के लगभग 100 प्रतिशत घरों में नल से जल की सप्लाई राज्य सरकार सुनिश्चित कर रही है। जल जीवन मिशन योजना की समयावधि बढ़ने से गांवों के विकास की रफ्तार और तेज होगी।

जागरण

'विकास की रफ्तार को बढ़ाएगा बजट', जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जल जीवन मिशन योजना की अवधि बढ़ाने के ऐलान का किया स्वागत

जलशक्ति मंत्री ने केन्द्रीय बजट में जल जीवन मिशन योजना की अवधि 2028 तक बढ़ाने के ऐलान का स्वागत करते हुए कहा कि इससे उत्तर प्रदेश के हर ग्रामीण घर तक नल कनेक्शन के जरिए शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार का ये फैसला दिखाता है कि डबल इंजन की सरकार गांव के हर तक शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है।

BY **JAGRAN NEWS**
EDITED BY: **AMIT SINGH**
UPDATED: SAT, 01 FEB 2025 08:32 PM (IST)

डिजिटल डेस्क, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने आज प्रस्तुत केन्द्रीय बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में वित्त मंत्री मती निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट में किसान, युवा, गरीब और नारी शक्ति तथा अन्नदाता पर विशेष फोकस किया गया है।

जलशक्ति मंत्री ने केन्द्रीय बजट में जल जीवन मिशन योजना की अवधि 2028 तक बढ़ाने के ऐलान का स्वागत करते हुए कहा कि इससे उत्तर प्रदेश के हर ग्रामीण घर तक नल कनेक्शन के जरिए शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार का ये फैसला दिखाता है कि डबल इंजन की सरकार गांव के हर तक शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है।

Swatantra Dev Singh
@swatantrabjp · फ़ॉलो करें

मा॰ प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी के दूरदर्शी नेतृत्व में प्रस्तुत 'विकसित भारत बजट 2025' देश के आर्थिक सशक्तिकरण और समावेशी विकास का एक ऐतिहासिक दस्तावेज है।

यह बजट न केवल मध्यम वर्ग, किसानों, युवाओं और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए समर्पित है, बल्कि निवेश, विनिर्माण,... और अधिक दिखाएं

12:50 अपराह्न · 1 फ़र॰ 2025

270 जवाब दें पोस्ट का लिंक कॉपी करें

27 जवाब पढ़ें

जल जीवन मिशन अब यूपी सहित देश के विकास की लाइफलाइन बन चुका है। मौजूदा समय में उत्तर प्रदेश के 2.34 करोड़ ग्रामीण परिवारों तक जल जीवन मिशन के तहत नल कनेक्शन दिया जा चुका है। बुंदेलखंड और विन्ध्य क्षेत्र के लगभग 100 प्रतिशत घरों में नल से जल की सप्लाई राज्य सरकार सुनिश्चित कर रही है। जल जीवन मिशन योजना की समयावधि बढ़ने से गांवों के विकास की रफ्तार और तेज होगी।

गौरतलब है कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल का पहला संपूर्ण बजट पेश किया। इस बजट की सबसे बड़ी बात रही 12 लाख सालाना आय वालों को इनकम टैक्स में छूट देना। इस छूट के एलान से ही मध्यम वर्ग में खुशी की लहर छा गई। सरकार ने बजट में इनकम टैक्स की दरों में कटौती की घोषणा की है। वर्तमान में 2020 में शुरू की गई इस प्रणाली के तहत 15 लाख रुपये की सालाना इनकम पर 5 से 20 फीसदी तक कर देना होता है। वहीं 15 लाख रुपये से अधिक इनकम हो तो 30 फीसदी की रेट से टैक्स चुकाने की व्यवस्था है। शनिवार को पेश किए गए बजट में वित्त मंत्री ने 12 लाख रुपये सालाना इनकम को टैक्स फ्री करने की घोषणा कर दी है।

विकास की रफ्तार को बढ़ाएगा बजट : स्वतंत्र देव सिंह

By **National News Vision** - February 2, 2025

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने आज प्रस्तुत केन्द्रीय बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट में किसान, युवा, गरीब और नारी शक्ति तथा अन्नदाता पर विशेष फोकस किया गया है।

जल जीवन मिशन से और विकसित होंगे गांव

जलशक्ति मंत्री ने केन्द्रीय बजट में जल जीवन मिशन योजना की अवधि 2028 तक बढ़ाने के ऐलान का स्वागत करते हुए कहा कि इससे उत्तर प्रदेश के हर ग्रामीण घर तक नल कनेक्शन के जरिए शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार का ये फैसला दिखाता है कि डबल इंजन की सरकार गांव के हर तक शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है। जल जीवन मिशन अब यूपी सहित देश के विकास की लाइफलाइन बन चुका है।

जल जीवन मिशन बनीं ग्रामीण क्षेत्रों की लाइफलाइन

मौजूदा समय में उत्तर प्रदेश के 2.34 करोड़ ग्रामीण परिवारों तक जल जीवन मिशन के तहत नल कनेक्शन दिया जा चुका है। बुदेलखंड और विन्ध्य क्षेत्र के लगभग 100 प्रतिशत घरों में नल से जल की सप्लाई राज्य सरकार सुनिश्चित कर रही है। जल जीवन मिशन योजना की समयावधि बढ़ने से गांवों के विकास की रफ्तार और तेज होगी।

Present Online .Net

News, Blogs & PR Services

विकास की रफ्तार को बढ़ाएगा बजट- स्वतंत्र देव सिंह

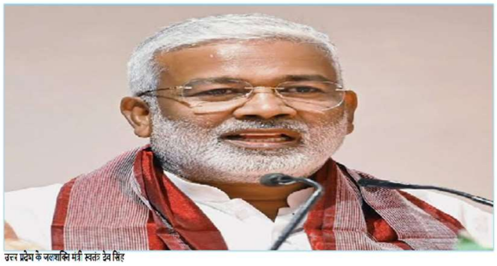

उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह

उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने आज प्रस्तुत केन्द्रीय बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट में किसान, युवा, गरीब और नारी शक्ति तथा अन्नदाता पर विशेष फोकस किया गया है।

जलशक्ति मंत्री ने केन्द्रीय बजट में जल जीवन मिशन योजना की अवधि 2028 तक बढ़ाने के ऐलान का स्वागत करते हुए कहा कि इससे उत्तर प्रदेश के हर ग्रामीण घर तक नल कनेक्शन के जरिए शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार का ये फैसला दिखाता है कि डबल इंजन की सरकार गांव के हर तक शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है।

जल जीवन मिशन अब यूपी सहित देश के विकास की लाइफलाइन बन चुका है। मौजूदा समय में उत्तर प्रदेश के **2.34 करोड़** ग्रामीण परिवारों तक जल जीवन मिशन के तहत नल कनेक्शन दिया जा चुका है। बुदेलखंड और विन्ध्य क्षेत्र के लगभग 100 प्रतिशत घरों में नल से जल की सप्लाई राज्य सरकार सुनिश्चित कर रही है।

जल जीवन मिशन योजना की समयावधि बढ़ने से गांवों के विकास की रफ्तार और तेज होगी।

THE TIMES OF INDIA

UP Jal Shakti Minister hails Jal Jeevan Mission extension, calls it a ‘lifeline’ for rural growth

Jal Shakti Minister, Swatantra Dev Singh

LUCHNOW: Uttar Pradesh’s Jal Shakti Minister, Swatantra Dev Singh, has welcomed the Central government’s decision to extend the Jal Jeevan Mission (JJM) until 2028, calling it a crucial step for rural development.

The extension, announced by Finance Minister Nirmala Sitharaman in the Union Budget 2025, aims to further the mission of providing potable tap water to all rural households. Singh praised the initiative, stating, "The JJM has become a lifeline for the development of Uttar Pradesh and the country."

He highlighted that the double-engine government’s commitment to "Har Ghar Jal" has transformed rural infrastructure, accelerating village development across the state.

As per the Uttar Pradesh government, 2.34 crore rural families have benefitted from tap water connectivity under JJM. Moreover, the state has achieved 100% tap water supply in Bundelkhand and Vindhya regions, which struggled with severe water scarcity before 2017.

प्रीमियम
अमर उजाला

Mahakubh: 'जल धारा से जीवन धारा' पुस्तिका बता रही जल जीवन मिशन के सफलता की कहानी, इसमें हैं 13 सच्ची कहानियां

अमर उजाला नेटवर्क, महाकुंभ नगर (प्रयागराज) Published by: श्याम जी. Updated Wed, 05 Feb 2025 04:41 PM IST

सार

40872 Followers प्रयागराज

'जल धारा से जीवन धारा' पुस्तिका को पढ़कर सबसे ज्यादा भाव-विभोर वो युवा श्रद्धालु हो रहे हैं, जिन्होंने अपने बचपन के दिनों में इस त्रासदी को बहुत करीब से देखा है। साथ ही ये भी बता रहे हैं कि किस तरह से हर घर नल योजना ने उनके जीवन को बदला है।

जल जीवन मिशन - फोटो : अमर उजाला

जल जीवन मिशन के स्वच्छ सुजल गांव में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पुराने और नए बुंदेलखंड के गांवों के प्रोटोटाइप के साथ-साथ 'जल धारा से जीवन धारा' पुस्तिका भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। जिस प्रकार स्वच्छ सुजल गांव में नए और पुराने बुंदेलखंड को दिखाया गया है, वैसे ही 'जल धारा से जीवन धारा' पुस्तिका में बुंदेलखंड-विंध्य की असली कहानियां हैं।

इससे पता लगता है कि इन क्षेत्रों के लोगों को घर-घर नल से जल पहुंचने से पहले किन दुश्वारियों का सामना करना पड़ता था। महाकुंभ क्षेत्र के सेक्टर-7 में बसाए गए स्वच्छ सुजल गांव में आने वाले श्रद्धालुओं को ये पुस्तिका मुफ्त में दी जा रही है। इसे पढ़कर श्रद्धालु भी भाव-विभोर हो रहे हैं। साथ ही उस पीढ़ा को भी महसूस कर रहे हैं, जो हर घर तक नल कनेक्शन पहुंचने से पहले यहां के लोगों ने झेली है।

पुस्तिका की कहानियां पढ़ युवा कर रहे जल जीवन मिशन की तारीफ

'जल धारा से जीवन धारा' पुस्तिका को पढ़कर सबसे ज्यादा भाव-विभोर वो युवा श्रद्धालु हो रहे हैं, जिन्होंने अपने बचपन के दिनों में इस त्रासदी को बहुत करीब से देखा है। साथ ही ये भी बता रहे हैं कि किस तरह से हर घर नल योजना ने उनके जीवन को बदला है। महाकुंभ में आए बुंदेलखंड के महोबा जिले के युवा श्रद्धालु विनोद बताते हैं कि पुस्तिका में जो कहानियां हैं, उनको उन्होंने बचपन में बहुत करीब से देखा है। मगर पिछले कुछ वर्षों में अब स्थितियां पूरी तरह से बदल गई हैं। इससे क्षेत्र का विकास हो रहा है, साथ ही पलायन भी रूका है। ललितपुर से आईं सीमा बताती हैं कि ये पुस्तिका वो प्रयागराज से एक याद के तौर पर ले जा रही हैं, जिसे आने वाली पीढ़ी को पढ़ाएंगी। इससे नई पीढ़ी अपनी पुरानी पीढ़ी के दर्द को समझ सके।

दूसरे राज्य के लोग भी बुंदेलखंड विन्ध्य की कहानी पढ़कर हो रहे अचंभित

महाकुंभ में आने वाले अन्य राज्यों के श्रद्धालु भी इन कहानियों को पढ़कर ये अचंभित हो रहे हैं कि किस तरह से बुंदेलखंड और विन्ध्य जैसे क्षेत्रों में इतने कम समय में जल जीवन मिशन के जरिए जीवन का आधार शुद्ध जल पहुंचाया जा रहा है और किस तरह से हर घर नल योजना यहां के लोगों का जीवन बदल रही है। साथ ही यूपी में जल जीवन मिशन में सोलर पावर इस्तेमाल के अभिनव प्रयोग की भी दूसरे राज्यों के लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं। दूसरे राज्यों के लोग इसे एक दूरदर्शी सोच के रूप में देख रहे हैं। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन योजना में सोलर पावर इस्तेमाल के अभिनव प्रयोग के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

‘जल धारा से जीवन धारा’ पुस्तिका के जरिए श्रद्धालु जान रहे यूपी में जल जीवन मिशन की सफलता की कहानी

February 5, 2025 / Ayushi Mishra

February 5, 2025 / Ayushi Mishra

KNEWS DESK – जल जीवन मिशन के स्वच्छ सुजल गांव में आने वाले श्रद्धालुओं को पुराने और नए बुंदेलखंड के गांवों के प्रोटोटाइप के साथ-साथ ‘जल धारा से जीवन धारा’ पुस्तिका भी आकर्षण का केन्द्र बनी हुई है। जैसे स्वच्छ सुजल गांव में नए और पुराने बुंदेलखंड को दिखाया गया है। वैसे ही ‘जल धारा से जीवन धारा’ पुस्तिका में बुंदेलखंड-विंध्य की असली कहानियां हैं, जिससे पता लगता है कि इन क्षेत्रों के लोगों को घर-घर नल से जल पहुंचने से पहले किन दुश्वारियों का सामना करना पड़ता था। महाकुंभ क्षेत्र के सेक्टर-7 में बसाए गए स्वच्छ सुजल गांव में आने वाले श्रद्धालुओं को ये पुस्तिका मुफ्त में दी जा रही है। जिसे पढ़कर श्रद्धालु भी भाव-विभोर हो रहे हैं। साथ ही उस पीढ़ा को भी महसूस कर रहे हैं, जो हर घर तक नल कनेक्शन पहुंचने से पहले यहां के लोगों ने झेली है।

पुस्तिका की कहानियां पढ़ युवा कर रहे जल जीवन मिशन की तारीफ

‘जल धारा से जीवन धारा’ पुस्तिका को पढ़कर सबसे ज्यादा भाव-विभोर वो युवा श्रद्धालु हो रहे हैं, जिन्होंने अपने बचपन के दिनों में इस त्रासदी को बहुत करीब से देखा है। साथ ही ये भी बता रहे हैं कि किस तरह से हर घर नल योजना ने उनके जीवन को बदला है। महाकुंभ में आए बुंदेलखंड के महोबा जिले के युवा श्रद्धालु विनोद बताते हैं कि पुस्तिका में जो कहानियां हैं, उनको उन्होंने बचपन में बहुत करीब से देखा है। मगर पिछले कुछ वर्षों में अब स्थितियां पूरी तरह से बदल गई हैं। जिससे क्षेत्र का विकास हो रहा है, साथ ही पलायन भी रूका है। ललितपुर से आई सीमा बताती हैं कि ये पुस्तिका वो प्रयागराज से एक याद के तौर पर ले जा रही हैं। जिसे आने वाली पीढ़ी को पढ़ाएंगी। जिससे नई पीढ़ी अपनी पुरानी पीढ़ी के दर्द को समझ सके।

दूसरे राज्य के लोग भी बुंदेलखंड विन्ध्य की कहानी पढ़कर हो रहे अचंभित

महाकुंभ में आने वाले अन्य राज्यों के श्रद्धालु भी इन कहानियों को पढ़कर ये अचंभित हो रहे हैं कि किस तरह से बुंदेलखंड और विन्ध्य जैसे क्षेत्रों में इतने कम समय में जल जीवन मिशन के जरिए जीवन का आधार शुद्ध जल पहुंचाया जा रहा है और किस तरह से हर घर नल योजना यहां के लोगों का जीवन बदल रही है। साथ ही यूपी में जल जीवन मिशन में सोलर पावर इस्तेमाल के अभिनव प्रयोग की भी दूसरे राज्यों के लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं। दूसरे राज्यों के लोग इसे एक दूरदर्शी सोच के रूप में देख रहे हैं। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन योजना में सोलर पावर इस्तेमाल के अभिनव प्रयोग के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

NATIONAL NEWS VISION

‘जल धारा से जीवन धारा’ पुस्तिका में जल जीवन मिशन की सफलता की कहानी

By **National News Vision** - February 5, 2025

महाकुंभ नगर। जल जीवन मिशन के स्वच्छ सुजल गांव में आने वाले श्रद्धालुओं को पुराने और नए बुंदेलखंड के गांवों के प्रोटोटाइप के साथ-साथ ‘जल धारा से जीवन धारा’ पुस्तिका भी आकर्षण का केन्द्र बनी हुई है। जैसे स्वच्छ सुजल गांव में नए और पुराने बुंदेलखंड को दिखाया गया है।

प्रदेश की 13 सच्ची कहानियों पर आधारित है ‘जल धारा से जीवन धारा’ पुस्तिका

वैसे ही ‘जल धारा से जीवन धारा’ पुस्तिका में बुंदेलखंड-विंध्य की असली कहानियां हैं, जिससे पता लगता है कि इन क्षेत्रों के लोगों को घर-घर नल से जल पहुंचने से पहले किन दुश्वारियों का सामना करना पड़ता था।

महाकुंभ क्षेत्र के सेक्टर-7 में बसाए गए स्वच्छ सुजल गांव में आने वाले श्रद्धालुओं को ये पुस्तिका मुफ्त में दी जा रही है। जिसे पढ़कर श्रद्धालु भी भाव-विभोर हो रहे हैं। साथ ही उस पीढ़ा को भी महसूस कर रहे हैं, जो हर घर तक नल कनेक्शन पहुंचने से पहले यहां के लोगों ने झेली है।

पुस्तिका की कहानियां पढ़ युवा कर रहे जल जीवन मिशन की तारीफ

‘जल धारा से जीवन धारा’ पुस्तिका को पढ़कर सबसे ज्यादा भाव-विभोर वो युवा श्रद्धालु हो रहे हैं, जिन्होंने अपने बचपन के दिनों में इस त्रासदी को बहुत करीब से देखा है। साथ ही ये भी बता रहे हैं कि किस तरह से हर घर नल योजना ने उनके जीवन को बदला है।

महाकुंभ में आए बुंदेलखंड के महोबा जिले के युवा श्रद्धालु विनोद बताते हैं कि पुस्तिका में जो कहानियां हैं, उनको उन्होंने बचपन में बहुत करीब से देखा है। मगर पिछले कुछ वर्षों में अब स्थितियां पूरी तरह से बदल गई हैं।

जिससे क्षेत्र का विकास हो रहा है, साथ ही पलायन भी रूका है। ललितपुर से आई सीमा बताती हैं कि ये पुस्तिका वो प्रयागराज से एक याद के तौर पर ले जा रही हैं। जिसे आने वाली पीढ़ी को पढ़ाएंगी। जिससे नई पीढ़ी अपनी पुरानी पीढ़ी के दर्द को समझ सके।

दूसरे राज्य के लोग भी बुंदेलखंड विन्ध्य की कहानी पढ़कर हो रहे अचंभित

महाकुंभ में आने वाले अन्य राज्यों के श्रद्धालु भी इन कहानियों को पढ़कर ये अचंभित हो रहे हैं कि किस तरह से बुंदेलखंड और विन्ध्य जैसे क्षेत्रों में इतने कम समय में जल जीवन मिशन के जरिए जीवन का आधार शुद्ध जल पहुंचाया जा रहा है और किस तरह से हर घर नल योजना यहां के लोगों का जीवन बदल रही है।

साथ ही यूपी में जल जीवन मिशन में सोलर पावर इस्तेमाल के अभिनव प्रयोग की भी दूसरे राज्यों के लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं। दूसरे राज्यों के लोग इसे एक दूरदर्शी सोच के रूप में देख रहे हैं। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन योजना में सोलर पावर इस्तेमाल के अभिनव प्रयोग के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

NBT
नवभारत टाइम्स

'जल धारा से जीवन धारा'... यूपी में जल जीवन मिशन के सफलता की कहानी, पुस्तिका के जरिए जान रहे श्रद्धालु

Edited By राहुल पराशर | नवभारतटाइम्स.कॉम • 6 Feb 2025, 11:53 am

Mahakumbh 2025 UP Jal Jeevan Mission: यूपी के जल जीवन मिशन की सफलता की कहानी महाकुंभ 2025 में आने वाले श्रद्धालु भी पढ़ रहे हैं। यूपी के गांवों में हुए बदलावों के बारे में इस पुस्तक में...

हाइलाइट्स

- यूपी में जल जीवन मिशन की कामयाबी की कहानी बताती पुस्तिका
- 13 सच्ची कहानियों पर आधारित है 'जल धारा से जीवन धारा' किताब
- पुस्तिका की कहानियां पढ़ युवा कर रहे जल जीवन मिशन की तारीफ

महाकुंभ नगर: उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन को योगी आदित्यनाथ सरकार ने मिशन मोड में पूरा कराया है। इस योजना ने प्रदेश के गांवों की सूरत बदली है। आज के समय महिलाओं को पानी लेने के लिए दूर नहीं जाना पड़ता है। उनके घर तक नल से जल पहुंचाया जा रहा है। प्रयागराज महाकुंभ मेला 2025 में यूपी सरकार की इस सफल योजना के बारे में जानकारी दी जा रही है। जल जीवन मिशन के स्वच्छ सुजल गांव में आने वाले श्रद्धालुओं को पुराने और नए बुंदेलखंड के गांवों के प्रोटोटाइप के साथ-साथ 'जल धारा से जीवन धारा' पुस्तिका भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

स्वच्छ सुजल गांव में नए और पुराने बुंदेलखंड को दिखाया गया है। 'जल धारा से जीवन धारा' पुस्तिका में बुंदेलखंड-विंध्य की असली कहानियां हैं, जिससे पता लगता है कि इन क्षेत्रों के लोगों को घर-घर नल से जल पहुंचने से पहले किन दुश्वारियों का सामना करना पड़ता था। महाकुंभ क्षेत्र के सेक्टर-7 में बसाए गए स्वच्छ सुजल गांव में आने वाले श्रद्धालुओं को ये पुस्तिका मुफ्त में दी जा रही है। इसे पढ़कर श्रद्धालु भी भाव-विभोर हो रहे हैं। साथ ही उस पीड़ा को भी महसूस कर रहे हैं, जो हर घर तक नल कनेक्शन पहुंचने से पहले यहां के लोगों ने झेली है।

युवा कर रहे मिशन की तारीफ

'जल धारा से जीवन धारा' पुस्तिका को पढ़कर सबसे ज्यादा भाव-विभोर वो युवा श्रद्धालु हो रहे हैं, जिन्होंने अपने बचपन के दिनों में इस त्रासदी को बहुत करीब से देखा है। साथ ही, यह भी बता रहे हैं कि किस तरह से हर घर नल योजना ने उनके जीवन को बदला है। महाकुंभ में आए बुंदेलखंड के महोबा जिले के युवा श्रद्धालु विनोद बताते हैं कि पुस्तिका में जो कहानियां हैं, उनको उन्होंने बचपन में बहुत करीब से देखा है। मगर पिछले कुछ वर्षों में अब स्थितियां पूरी तरह से बदल गई हैं।

युवा कहते हैं कि बदली स्थिति से क्षेत्र का विकास हो रहा है। साथ ही, पलायन भी रुका है। ललितपुर से आई सीमा बताती हैं कि ये पुस्तिका वो प्रयागराज से एक याद के तौर पर ले जा रही हैं, जिसे आने वाली पीढ़ी को पढ़ाएंगी। इससे नई पीढ़ी अपनी पुरानी पीढ़ी के दर्द को समझ सकेगी।

बुंदेलखंड-विन्ध्य की कहानी कर रही अचंभित

महाकुंभ में आने वाले अन्य राज्यों के श्रद्धालु भी इन कहानियों को पढ़कर ये अचंभित हो रहे हैं कि किस तरह से बुंदेलखंड और विन्ध्य जैसे क्षेत्रों में इतने कम समय में जल जीवन मिशन के जरिए जीवन का आधार शुद्ध जल पहुंचाया जा रहा है। किस तरह से हर घर नल योजना यहां के लोगों का जीवन बदल रही है। साथ ही, यूपी में जल जीवन मिशन में सोलर पावर इस्तेमाल के अभिनव प्रयोग की भी दूसरे राज्यों के लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं।

महाकुंभ मेला में आए दूसरे राज्यों के लोग इसे एक दूरदर्शी सोच के रूप में देख रहे हैं। दरअसल, यूपी में जल जीवन मिशन योजना में सोलर पावर इस्तेमाल के अभिनव प्रयोग के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

Mahakumbh 2025: 'जल धारा से जीवन धारा' पुस्तिका के जरिए श्रद्धालु जान रहे यूपी में जल जीवन मिशन के सफलता की कहानी

Mahakumbh 2025: - प्रदेश की 13 सच्ची कहानियों पर आधारित है 'जल धारा से जीवन धारा' पुस्तिका, पुस्तिका की कहानियां पढ़ युवा कर रहे जल जीवन मिशन की तारीफ

Newstrack - Network
Published on: 5 Feb 2025 8:24 PM

Jal Jeevan Mission (Photo: Social Media)

Mahakumbh 2025: जल जीवन मिशन के स्वच्छ सुजल गांव में आने वाले श्रद्धालुओं को पुराने और नए बुंदेलखंड के गांवों के प्रोटोटाइप के साथ-साथ 'जल धारा से जीवन धारा' पुस्तिका भी आकर्षण का केन्द्र बनी हुई है। जैसे स्वच्छ सुजल गांव में नए और पुराने बुंदेलखंड को दिखाया गया है। वैसे ही 'जल धारा से जीवन धारा' पुस्तिका में बुंदेलखंड-विंध्य की असली कहानियां हैं, जिससे पता लगता है कि इन क्षेत्रों के लोगों को घर-घर नल से जल पहुंचने से पहले किन दुश्वारियों का सामना करना पड़ता था। महाकुंभ क्षेत्र के सेक्टर-7 में बसाए गए स्वच्छ सुजल गांव में आने वाले श्रद्धालुओं को ये पुस्तिका मुफ्त में दी जा रही है। जिसे पढ़कर श्रद्धालु भी भाव-विभोर हो रहे हैं। साथ ही उस पीढ़ा को भी महसूस कर रहे हैं, जो हर घर तक नल कनेक्शन पहुंचने से पहले यहां के लोगों ने झेली है।

पुस्तिका की कहानियां पढ़ युवा कर रहे जल जीवन मिशन की तारीफ

'जल धारा से जीवन धारा' पुस्तिका को पढ़कर सबसे ज्यादा भाव-विभोर वो युवा श्रद्धालु हो रहे हैं, जिन्होंने अपने बचपन के दिनों में इस त्रासदी को बहुत करीब से देखा है। साथ ही ये भी बता रहे हैं कि किस तरह से हर घर नल योजना ने उनके जीवन को बदला है। महाकुंभ में आए बुंदेलखंड के महोबा जिले के युवा श्रद्धालु विनोद बताते हैं कि पुस्तिका में जो कहानियां हैं, उनको उन्होंने बचपन में बहुत करीब से देखा है।

मगर पिछले कुछ वर्षों में अब स्थितियां पूरी तरह से बदल गई हैं। जिससे क्षेत्र का विकास हो रहा है, साथ ही पलायन भी रूका है। ललितपुर से आई सीमा बताती हैं कि ये पुस्तिका वो प्रयागराज से एक याद के तौर पर ले जा रही हैं। जिसे आने वाली पीढ़ी को पढ़ाएंगी। जिससे नई पीढ़ी अपनी पुरानी पीढ़ी के दर्द को समझ सके।

दूसरे राज्य के लोग भी बुंदेलखंड विन्ध्य की कहानी पढ़कर हो रहे अचंभित

महाकुंभ में आने वाले अन्य राज्यों के श्रद्धालु भी इन कहानियों को पढ़कर ये अचंभित हो रहे हैं कि किस तरह से बुंदेलखंड और विन्ध्य जैसे क्षेत्रों में इतने कम समय में जल जीवन मिशन के जरिए जीवन का आधार शुद्ध जल पहुंचाया जा रहा है और किस तरह से हर घर नल योजना यहां के लोगों का जीवन बदल रही है। साथ ही यूपी में जल जीवन मिशन में सोलर पावर इस्तेमाल के अभिनव प्रयोग की भी दूसरे राज्यों के लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं। दूसरे राज्यों के लोग इसे एक दूरदर्शी सोच के रूप में देख रहे हैं। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन योजना में सोलर पावर इस्तेमाल के अभिनव प्रयोग के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

THE TIMES OF INDIA

Jal Jeevan Mission's booklet on water transformation draws attention at Maha Kumbh

Jal Jeevan Mission wins accolades from young readers

NEW DELHI: The Jal Jeevan Mission's Swachh Sujal Gaon exhibition at Maha Kumbh is drawing interest with its prototype models of old and new Bundelkhand villages and a booklet titled Jal Dhara Se Jeevan Dhara. The booklet narrates real-life accounts from Bundelkhand-Vindhya, depicting the challenges people faced before tap water connections became available in every household.

The exhibition, set up in Sector-7 of Mahakumbh Nagar, is distributing the booklet to visitors. Many attendees have expressed reflections on the hardships faced by earlier generations who lacked access to clean water. The initiative is part of the Jal Jeevan Mission's broader effort to promote water conservation and sustainability in rural areas.

"Young devotees who have read the booklet are deeply moved, particularly those who personally experienced the hardships of accessing water during their childhood," a mission official said.

Vinod, a visitor from Mahoba district, said, "The stories in the booklet resonated with me as I had seen similar struggles during my childhood. However, the situation has changed significantly over the past few years. There is development in the region and people migrating due to non-accessibility of water has stopped."

Seema, a devotee from Lalitpur, said she wanted to take the booklet home as a memento. "I plan to share it with the upcoming generation so that they can understand the struggles of their predecessors," she said.

Visitors from other states have also taken note of Bundelkhand-Vindhya's transformation through the Jal Jeevan Mission. Many have acknowledged the initiative's use of solar power in providing clean water, which has earned Uttar Pradesh selection for the Prime Minister's Award for innovation in the programme.

भारत EXPRESS
सत्य • साहस • समर्पण

Swachh Sujal Gaon At Maha Kumbh Draws Over 11 Lakh Visitors

Swachh Sujal Gaon at Maha Kumbh, developed under CM Yogi Adityanath's leadership, has drawn over 11 lakh visitors.

Written by Vishal Talwar
February 11, 2025

The Swachh Sujal Gaon, developed at Maha Kumbh under the leadership of Chief Minister Yogi Adityanath by the Namami Gange and Rural Water Supply Departments, has attracted over 11 lakh visitors so far.

Spread across 40,000 square feet, the model village highlights the transformation of Uttar Pradesh's rural landscape through key government initiatives.

Visitors get an insight into the state's development journey, witnessing villages reshaped by landmark reforms.

Emphasizing the tradition of 'Atithi Devo Bhava', hosts serve guests 'Jal Prasad' (water offerings) during their visit. They conduct a Ganga Jal Aarti each evening, enhancing the village's spiritual and cultural appeal.

The village has seen a continuous influx of visitors, with over one lakh people arriving on key dates like 19 January, 24, 26, and 9 February. However, entry was restricted on major bathing festival days.

Visitors learn about the success of the Jal Jeevan Mission, led by PM Narendra Modi and CM Yogi Adityanath, which has provided clean drinking water to every household in Bundelkhand.

The transformation of Bundelkhand from a water-scarce region before 2017 to its present state is a major highlight of the village.

Additionally, the exhibit showcases modern rural development initiatives, including the PM Awas Yojana, CM Awas Yojana, village panchayats, and the use of solar energy for sustainability.

Swachh Sujal Gaon Open Until 26 Feb 2025

The Swachh Sujal Gaon, themed 'Peyjal Ka Samadhan, Mere Gaon Ki Nai Pehchaan' (Water Solution, My Village's New Identity), will remain open for visitors until 26 February 2025.

Various programs and exhibitions provide a platform for rural women from Bundelkhand to share how access to clean water has transformed their lives.

Women from Banda, Jhansi, Chitrakoot, Lalitpur, and Mahoba have recounted how water scarcity once caused hardships, including delayed marriages and health issues.

The information in the village is available in Hindi, English, Bengali, Telugu, and Marathi, making it accessible to a diverse audience.

A key attraction is the 'Jal Mandir', where water symbolically flows from Lord Shiva's hair locks, representing the descent of the Ganga to Earth.

The daily Ganga Jal Aarti here reinforces the importance of water conservation.

As part of the visitor experience, guests receive 'Jal Prasad' in jute bags, containing water from the Sangam, a Jal Jeevan Mission diary, and educational materials on the region's development.

महाकुम्भ में 40 हजार स्क्वायर फिट में बसाया गया है गांव

BY PINKI MAURYA - 11 FEB 2025 02:29 PM

लखनऊ : योगी सरकार के नेतृत्व में नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग ने महाकुम्भ-2025 में 'स्वच्छ सुजल गांव' बसाया है। इसमें अब तक देश-दुनिया के 11 लाख से अधिक आगंतुक पहुंचे, जिन्होंने योगी सरकार के नेतृत्व में आए बदलाव के बाद यूपी के समृद्ध गांवों की कहानी देखी। नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग 'अतिथि देवो भवः' की परंपरा का भी निर्वहन कर रहा है। 'स्वच्छ सुजल गांव' में आने वाले आगंतुकों को 'जलप्रसाद' भी दिया जा रहा है। वहीं गांव में प्रतिदिन शाम को गंगा जल आरती भी हो रही है।

19 जनवरी, 24 जनवरी, 26 जनवरी और 9 फरवरी को गांव में आए सर्वाधिक पर्यटक व श्रद्धालु

'स्वच्छ सुजल गांव' में अब तक 11 लाख से अधिक अतिथि पहुंच चुके हैं, जिन्होंने इस गांव के जरिए समृद्ध यूपी का दीदार किया। गांव में आगंतुकों का निरंतर आना जारी है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आ रहे हैं। 19 जनवरी, 24 जनवरी, 26 जनवरी और 9 फरवरी को यहां सर्वाधिक पर्यटक-श्रद्धालु आए। इन चार दिनों में प्रतिदिन यह संख्या एक लाख से अधिक रही। वहीं प्रमुख स्नान पर्वों पर यहां प्रवेश बंद रहा।

40 हजार स्क्वायर फिट में बसा है गांव

पीएम मोदी के मार्गदर्शन व सीएम योगी के नेतृत्व में जल जीवन मिशन के जरिए बुंदेलखंड के गांव-गांव में हर घर जल पहुंचाने की नई तस्वीर से भी आगंतुक रूबरू हो रहे हैं। वे यहां 2017 से पहले बदहाल और इसके बाद बदले बुंदेलखंड के बदलाव की गाथा का भी दीदार कर रहे हैं। देश-दुनिया से आए श्रद्धालु 40 हजार स्क्वायर फिट एरिया में बसे गांव में पीएम आवास, सीएम आवास, ग्राम पंचायत, सोलर एनर्जी के जरिये समृद्ध उत्तर प्रदेश की नई कहानी भी देख रहे हैं। यह गाथा बदले यूपी की पहचान से हर आगंतुक को अवगत भी करा रही है।

'पेयजल का समाधान, मेरे गांव की नई पहचान' थीम पर बसा है गांव

योगी सरकार के नेतृत्व में ग्रामीण जलापूर्ति व नमामि गंगे विभाग ने महाकुम्भ-2025 में 'स्वच्छ सुजल गांव' बसाया है। इसका दीदार 26 फरवरी तक किया जा सकेगा। 'पेयजल का समाधान, मेरे गांव की नई पहचान' थीम पर यह गांव 40 हजार स्क्वायर फिट एरिया में बसा है। कभी प्यासे रहे बुंदेलखंड में पीएम मोदी के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पेयजल की समस्या का समाधान हो गया है। इस गांव में अलग-अलग कार्यक्रम भी हो रहे हैं। प्रदर्शनी में बुंदेलखंड के ग्रामीण महिलाओं को मंच मुहैया कराया गया है, जिसमें वे जीवन और जीवनशैली में बदलाव की कहानी भी बयां कर रहे हैं। बांदा, झांसी, चित्रकूट के कई गांवों में पानी न होने के कारण शादी नहीं हो पाती थी। ललितपुर व महोबा के उन गांवों की महिलाएं, पानी ढोने के कारण जिनके सिर से बाल गायब हो गए थे। वे भी शुद्ध पानी से जीवन में आए बदलाव की कहानी को भी वे बयां कर रही हैं। यहां हर जानकारी पांच भाषा (हिंदी, अंग्रेजी, बांग्ला, तेलगू व मराठी) में मिल रही है।

'जल मंदिर' भी दे रहा संदेश- जल जीवनदायी है, इसका संरक्षण करें

ग्रामीण जलापूर्ति व नमामि गंगे विभाग की तरफ से महाकुम्भ में 'जल मंदिर' भी बनाया गया है। 'जल मंदिर' में भगवान शिव की जटा से गंगा धरती पर आ रही हैं। इसके जरिए संदेश दिया जा रहा है कि जल प्रसाद है, जल जीवनदायी है। इसे बर्बाद नहीं, बल्कि संरक्षण करें। 'जल मंदिर' में सुबह-शाम गंगा जल आरती भी हो रही है। इस आरती में जल जीवन मिशन की गाथा, जल संरक्षण का संदेश भी दिया जा रहा है।

'अतिथि देवो भवः' की परंपरा का भी निर्वहन कर रहा है विभाग

'अतिथि देवो भवः' भारत की परंपरा है। स्वच्छ सुजल गांव में आने वाले अतिथियों का नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग सम्मान भी कर रहा है। आगंतुकों को जूट-कपड़े के बैग में 'जल प्रसाद' भी दिया जा रहा है। इसमें संगम का जल, जल जीवन मिशन की डायरी, सफलता/बदलाव की कहानी से जुड़ी आदि अध्ययन सामग्री भी है।

दैनिक भास्कर
BHASKARHINDI.COM

महाकुंभ 2025: महाकुंभ 11 लाख से अधिक आगंतुकों ने देखी 'स्वच्छ सुजल गांव' की तस्वीर

11 Feb 2025 2:39 PM

योगी सरकार के नेतृत्व में नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग ने महाकुंभ-2025 में 'स्वच्छ सुजल गांव' बसाया है। इसमें अब तक देश-दुनिया के 11 लाख से अधिक आगंतुक पहुंचे, जिन्होंने योगी सरकार के नेतृत्व में आए बदलाव के बाद यूपी के समृद्ध गांवों की कहानी देखी।

लखनऊ/महाकुंभ नगर, 11 फरवरी (आईएएनएस)। योगी सरकार के नेतृत्व में नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग ने महाकुंभ-2025 में 'स्वच्छ सुजल गांव' बसाया है। इसमें अब तक देश-दुनिया के 11 लाख से अधिक आगंतुक पहुंचे, जिन्होंने योगी सरकार के नेतृत्व में आए बदलाव के बाद यूपी के समृद्ध गांवों की कहानी देखी।

'नमामि गंगे' और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग 'अतिथि देवो भवः' की परंपरा का भी निर्वहन कर रहा है। 'स्वच्छ सुजल गांव' में आने वाले आगंतुकों को 'जलप्रसाद' भी दिया जा रहा है। वहीं, गांव में प्रतिदिन शाम को गंगा जल आरती भी हो रही है।

'स्वच्छ सुजल गांव' में अब तक 11 लाख से अधिक अतिथि पहुंच चुके हैं, जिन्होंने इस गांव के जरिए समृद्ध यूपी का दीदार किया। गांव में आगंतुकों का निरंतर आना जारी है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आ रहे हैं। यहां 19 जनवरी, 24 जनवरी, 26 जनवरी और 9 फरवरी को सर्वाधिक पर्यटक-श्रद्धालु आए। यह संख्या इन चार दिनों में प्रतिदिन एक लाख से अधिक रही। वहीं, यहां प्रमुख स्नान पर्वों पर प्रवेश बंद रहा।

पीएम मोदी के मार्गदर्शन और सीएम योगी के नेतृत्व में जल जीवन मिशन के जरिए बुंदेलखंड के गांव-गांव में हर घर जल पहुंचाने की नई तस्वीर से भी आगंतुक रूबरू हो रहे हैं। वे यहां 2017 से पहले बदहाल और इसके बाद बदले बुंदेलखंड के बदलाव की गाथा का भी दीदार कर रहे हैं। देश-दुनिया से आए श्रद्धालु 40 हजार स्क्वायर फीट एरिया में बसे गांव में पीएम आवास, सीएम आवास, ग्राम पंचायत, सोलर एनर्जी के जरिए समृद्ध उत्तर प्रदेश की नई कहानी भी देख रहे हैं। यह गाथा बदले यूपी की पहचान से हर आगंतुक को अवगत भी करा रही है।

योगी सरकार के नेतृत्व में ग्रामीण जलापूर्ति और नमामि गंगे विभाग ने महाकुंभ-2025 में 'स्वच्छ सुजल गांव' बसाया है। इसका दीदार 26 फरवरी तक किया जा सकेगा। यह गांव 'पेयजल का समाधान, मेरे गांव की नई पहचान' थीम पर 40 हजार स्क्वायर फीट एरिया में बसा है। कभी प्यासे रहे बुंदेलखंड में पीएम नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पेयजल की समस्या का समाधान हो गया है।

इस गांव में अलग-अलग कार्यक्रम भी हो रहे हैं। प्रदर्शनी में बुंदेलखंड की ग्रामीण महिलाओं को मंच मुहैया कराया गया है, जिसमें वे जीवन और जीवनशैली में बदलाव की कहानी भी बयां कर रही हैं।

बांदा, झांसी, चित्रकूट के कई गांवों में पानी न होने के कारण शादी नहीं हो पाती थी। ललितपुर और महोबा के उन गांवों की महिलाएं, पानी ढोने के कारण जिनके सिर से बाल गायब हो गए थे, वे भी शुद्ध पानी से जीवन में आए बदलाव की कहानी भी बयां कर रही हैं। यहां हर जानकारी पांच भाषाओं (हिंदी, अंग्रेजी, बांग्ला, तेलुगू और मराठी) में मिल रही है।

ग्रामीण जलापूर्ति और नमामि गंगे विभाग की तरफ से महाकुंभ में 'जल मंदिर' भी बनाया गया है। 'जल मंदिर' में भगवान शिव की जटा से गंगा धरती पर आ रही हैं। इसके जरिए संदेश दिया जा रहा है कि जल प्रसाद है, जल जीवनदायी है। इसे बर्बाद नहीं, बल्कि संरक्षण करें। 'जल मंदिर' में सुबह-शाम गंगा जल आरती भी हो रही है। इस आरती में जल जीवन मिशन की गाथा, जल संरक्षण का संदेश भी दिया जा रहा है।

'अतिथि देवो भवः' भारत की परंपरा है। 'स्वच्छ सुजल गांव' में आने वाले अतिथियों का नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग सम्मान भी कर रहा है। आगंतुकों को जूट-कपड़े के बैग में 'जल प्रसाद' भी दिया जा रहा है। इसमें संगम का जल, जल जीवन मिशन की डायरी, सफलता और बदलाव की कहानी से जुड़ी आदि अध्ययन सामग्री भी है।

जागरण

11 लाख से अधिक लोगों ने देखी 'स्वच्छ सुजल गांव' की तस्वीर, महाकुंभ में 40 हजार स्क्वायर फीट में बसाया गया है गांव

स्वच्छ सुजल गांव में अब तक 11 लाख से अधिक अतिथि पहुंच चुके हैं जिन्होंने इस गांव के जरिए समृद्ध यूपी का दीदार किया। गांव में आगंतुकों का निरंतर आना जारी है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आ रहे हैं। 19 जनवरी 24 जनवरी 26 जनवरी और 9 फरवरी को यहां सर्वाधिक पर्यटक-श्रद्धालु आए। इन चार दिनों में प्रतिदिन यह संख्या एक लाख से अधिक रही।

BY **JAGRAN NEWS**
EDITED BY: **GAURAV TIWARI**
UPDATED: TUE, 11 FEB 2025 04:02 PM (IST)

डिजिटल टीम, लखनऊ/महाकुंभ नगर। योगी सरकार के नेतृत्व में नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग ने महाकुंभ-2025 में 'स्वच्छ सुजल गांव' बसाया है। इसमें अब तक देश-दुनिया के 11 लाख से अधिक आगंतुक पहुंचे, जिन्होंने योगी सरकार के नेतृत्व में आए बदलाव के बाद यूपी के समृद्ध गांवों की कहानी देखी। नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग 'अतिथि देवो भवः' की परंपरा का भी निर्वहन कर रहा है। 'स्वच्छ सुजल गांव' में आने वाले आगंतुकों को 'जलप्रसाद' भी दिया जा रहा है। वहीं गांव में प्रतिदिन शाम को गंगा जल आरती भी हो रही है।

19 जनवरी, 24 जनवरी, 26 जनवरी और 9 फरवरी को गांव में आए सर्वाधिक पर्यटक व श्रद्धालु

'स्वच्छ सुजल गांव' में अब तक 11 लाख से अधिक अतिथि पहुंच चुके हैं, जिन्होंने इस गांव के जरिए समृद्ध यूपी का दीदार किया। गांव में आगंतुकों का निरंतर आना जारी है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आ रहे हैं। 19 जनवरी, 24 जनवरी, 26 जनवरी और 9 फरवरी को यहां सर्वाधिक पर्यटक-श्रद्धालु आए। इन चार दिनों में प्रतिदिन यह संख्या एक लाख से अधिक रही। वहीं प्रमुख स्नान पर्वों पर यहां प्रवेश बंद रहा।

40 हजार स्क्वायर फिट में बसा है गांव

पीएम मोदी के मार्गदर्शन व सीएम योगी के नेतृत्व में जल जीवन मिशन के जरिए बुंदेलखंड के गांव-गांव में हर घर जल पहुंचाने की नई तस्वीर से भी आगंतुक रूबरू हो रहे हैं। वे यहां 2017 से पहले बदहाल और इसके बाद बदले बुंदेलखंड के बदलाव की गाथा का भी दीदार कर रहे हैं। देश-दुनिया से आए श्रद्धालु 40 हजार स्क्वायर फिट एरिया में बसे गांव में पीएम आवास, सीएम आवास, ग्राम पंचायत, सोलर एनर्जी के जरिये समृद्ध उत्तर प्रदेश की नई कहानी भी देख रहे हैं। यह गाथा बदले यूपी की पहचान से हर आगंतुक को अवगत भी करा रही है।

'पेयजल का समाधान, मेरे गांव की नई पहचान' थीम पर बसा है गांव

योगी सरकार के नेतृत्व में ग्रामीण जलापूर्ति व नमामि गंगे विभाग ने महाकुंभ-2025 में 'स्वच्छ सुजल गांव' बसाया है। इसका दीदार 26 फरवरी तक किया जा सकेगा। 'पेयजल का समाधान, मेरे गांव की नई पहचान' थीम पर यह गांव 40 हजार स्क्वायर फिट एरिया में बसा है। कभी प्यासे रहे बुंदेलखंड में पीएम मोदी के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पेयजल की समस्या का समाधान हो गया है। इस गांव में अलग-अलग कार्यक्रम भी हो रहे हैं। प्रदर्शनी में बुंदेलखंड के ग्रामीण महिलाओं को मंच मुहैया कराया गया है, जिसमें वे जीवन और जीवनशैली में बदलाव की कहानी भी बयां कर रहे हैं। बांदा, झांसी, चित्रकूट के कई गांवों में पानी न होने के कारण शादी नहीं हो पाती थी। ललितपुर व महोबा के उन गांवों की महिलाएं, पानी ढोने के कारण जिनके सिर से बाल गायब हो गए थे। वे भी शुद्ध पानी से जीवन में आए बदलाव की कहानी को भी वे बयां कर रही हैं। यहां हर जानकारी पांच भाषा (हिंदी, अंग्रेजी, बांग्ला, तेलगू व मराठी) में मिल रही है।

'जल मंदिर' भी दे रहा संदेश- जल जीवनदायी है, इसका संरक्षण करें

ग्रामीण जलापूर्ति व नमामि गंगे विभाग की तरफ से महाकुंभ में 'जल मंदिर' भी बनाया गया है। 'जल मंदिर' में भगवान शिव की जटा से गंगा धरती पर आ रही हैं। इसके जरिए संदेश दिया जा रहा है कि जल प्रसाद है, जल जीवनदायी है। इसे बर्बाद नहीं, बल्कि संरक्षण करें। 'जल मंदिर' में सुबह-शाम गंगा जल आरती भी हो रही है। इस आरती में जल जीवन मिशन की गाथा, जल संरक्षण का संदेश भी दिया जा रहा है।

'अतिथि देवो भवः' की परंपरा का भी निर्वहन कर रहा है विभाग

'अतिथि देवो भवः' भारत की परंपरा है। स्वच्छ सुजल गांव में आने वाले अतिथियों का नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग सम्मान भी कर रहा है। आगंतुकों को जूट-कपड़े के बैग में 'जल प्रसाद' भी दिया जा रहा है। इसमें संगम का जल, जल जीवन मिशन की डायरी, सफलता/बदलाव की कहानी से जुड़ी आदि अध्ययन सामग्री भी है।

Hans India

‘Swachh Sujal Gaon’ at Mahakumbh Draws Over 1.1 Million Visitors

The Hans India
Hans News Service | 11 Feb 2025 3:27 PM IST

Local event listings

HIGHLIGHTS

- **Spread over 40,000 sqft, the village showcases UP's transformation under CM Yogi's leadership**
- **Visitors can explore Swachh Sujal Gaon until February 26.**
- **Peak visitor numbers were recorded on January 19, 24, 26, and February 9, with entry restricted during major bathing dates.**
- **The Namami Gange and Rural Water Supply Departments offer 'Jal Prasad' to visitors.**
- **The ‘Jal Mandir’ at ‘Swachh Sujal Gaon’ celebrates water as a life-giving blessing and promotes conservation.**

Mahakumbh Nagar: Swachh Sujal Gaon, developed by the Namami Gange and Rural Water Supply Departments during Mahakumbh under the leadership of Chief Minister Yogi Adityanath, has attracted over 1.1 million visitors so far. It covers an area of 40,000 sqft, Swachh Sujal Gaon showcases the transformation of Uttar Pradesh’s rural landscape through the state government's initiatives. It provides a glimpse into Uttar Pradesh's journey of success, highlighting villages that have been transformed by key state reforms.

The 'Swachh Sujal Gaon' reflects the age-old tradition of ‘Atithi Devo Bhava,’ with visitors being served ‘Jal Prasad’ (water offerings) during their visit. Additionally, a daily Ganga Jal Aarti is held in the village each evening. The hamlet continues to receive a steady influx of visitors, with significant footfall on specific dates like January 19, January 24, January 26, and February 9, when the number of visitors exceeded 100,000 daily. However, entry to the village was restricted during major bathing festivals.

Visitors are also introduced to the accomplishments of the Jal Jeevan Mission, guided by Prime Minister Narendra Modi and Chief Minister Yogi Adityanath, which has ensured that every household in Bundelkhand now has access to clean drinking water. This transformation from the previously underdeveloped and water-scarce Bundelkhand to its current improved state is being highlighted for visitors.

Guests can witness how modern rural development initiatives in Uttar Pradesh have improved lives, including PM Awas Yojana, CM Awas Yojana, village panchayats, and the use of solar energy to create a sustainable environment. Swachh Sujal Gaon will remain open for visitors until February 26, 2025.

The village, built around the theme ‘Peyjal Ka Samadhan, Mere Gaon Ki Nai Pehchaan’ (Water Solutions, My Village's New Identity), is over 40,000 square feet. This model village demonstrates how water scarcity issues in Bundelkhand have been addressed under the leadership of PM Modi and CM Yogi. Various programs and exhibitions are being held in the village. Rural women from Bundelkhand share stories of how access to clean water has transformed their lives. Women from Banda, Jhansi, Chitrakoot, Lalitpur, and Mahoba, where water scarcity once led to challenges such as delayed marriages and severe health impacts, are sharing their transformation stories.

Information in the village is available in five languages: Hindi, English, Bengali, Telugu, and Marathi, ensuring visitors from across the country can engage with the positive changes in Uttar Pradesh. The Rural Water Supply and Namami Gange Departments have also created a ‘Jal Mandir,’ where water flows from Lord Shiva's hair locks, symbolizing the arrival of the Ganga on Earth. The message is that water is a blessing and should be conserved rather than wasted. Daily Ganga Jal Aarti is held at the Jal Mandir, sharing the story of the Jal Jeevan Mission and the importance of water conservation.

In line with India’s tradition of ‘Atithi Devo Bhava’ (The guest is God), the Namami Gange and Rural Water Supply Departments honour visitors to Swachh Sujal Gaon.

Guests are offered ‘Jal Prasad’ in jute bags, which include water from the Sangam, a diary related to the Jal Jeevan Mission, and educational materials about the success stories and transformations that have taken place.

हिन्दुस्थान समाचार
Hindusthan Samachar

11 लाख से अधिक आगंतुकों ने देखी 'स्वच्छ सुजल गांव' की तस्वीर

11 Feb 2025 15:16:31

11 लाख से अधिक आगंतुकों ने देखी 'स्वच्छ सुजल गांव' की तस्वीर

- 19 जनवरी, 24 जनवरी, 26 जनवरी और 9 फरवरी को गांव में आए सर्वाधिक पर्यटक व श्रद्धालु, प्रमुख स्नान पर्वों पर बंद रहा प्रवेश

- 2017 से पहले और इसके बाद के बुंदेलखंड के बदलाव की भी दिख रही गाथा

-अतिथि देवो भवः की परंपरा का भी निर्वहन कर रहा नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, आगंतुकों को दिया जा रहा 'जलप्रसाद'

-स्वच्छ सुजल गांव में प्रतिदिन हो रही गंगा जल आरती

महाकुम्भ नगर, 11 फ़रवरी (हि.स.)।योगी सरकार के नेतृत्व में नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग ने महाकुम्भ-2025 में 'स्वच्छ सुजल गांव' बसाया है। इसमें अब तक देश-दुनिया के 11 लाख से अधिक आगंतुक पहुंचे, जिन्होंने योगी सरकार के नेतृत्व में आए बदलाव के बाद यूपी के समृद्ध गांवों की कहानी देखी। नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग 'अतिथि देवो भवः' की परंपरा का भी निर्वहन कर रहा है। 'स्वच्छ सुजल गांव' में आने वाले आगंतुकों को 'जलप्रसाद' भी दिया जा रहा है। वहीं गांव में प्रतिदिन शाम को गंगा जल आरती भी हो रही है।

19 जनवरी, 24 जनवरी, 26 जनवरी और 9 फरवरी को गांव में आए सर्वाधिक पर्यटक व श्रद्धालु

'स्वच्छ सुजल गांव' में अब तक 11 लाख से अधिक अतिथि पहुंच चुके हैं, जिन्होंने इस गांव के जरिए समृद्ध यूपी का दीदार किया। गांव में आगंतुकों का निरंतर आना जारी है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आ रहे हैं। 19 जनवरी, 24 जनवरी, 26 जनवरी और 9 फरवरी को यहां सर्वाधिक पर्यटक-श्रद्धालु आए। इन चार दिनों में प्रतिदिन यह संख्या एक लाख से अधिक रही। वहीं प्रमुख स्नान पर्वों पर यहां प्रवेश बंद रहा।

40 हजार स्क्वायर फिट में बसा है गांव

पीएम मोदी के मार्गदर्शन व सीएम योगी के नेतृत्व में जल जीवन मिशन के जरिए बुंदेलखंड के गांव-गांव में हर घर जल पहुंचाने की नई तस्वीर से भी आगंतुक रूबरू हो रहे हैं। वे यहां 2017 से पहले बदहाल और इसके बाद बदले बुंदेलखंड के बदलाव की गाथा का भी दीदार कर रहे हैं। देश-दुनिया से आए श्रद्धालु 40 हजार स्क्वायर फिट एरिया में बसे गांव में पीएम आवास, सीएम आवास, ग्राम पंचायत, सोलर एनर्जी के जरिये समृद्ध उत्तर प्रदेश की नई कहानी भी देख रहे हैं। यह गाथा बदले यूपी की पहचान से हर आगंतुक को अवगत भी करा रही है।

पेयजल का समाधान, मेरे गांव की नई पहचान' थीम पर बसा है गांव

योगी सरकार के नेतृत्व में ग्रामीण जलापूर्ति व नमामि गंगे विभाग ने महाकुम्भ-2025 में 'स्वच्छ सुजल गांव' बसाया है। इसका दीदार 26 फरवरी तक किया जा सकेगा। 'पेयजल का समाधान, मेरे गांव की नई पहचान' थीम पर यह गांव 40 हजार स्क्वायर फिट एरिया में बसा है। कभी प्यासे रहे बुंदेलखंड में पीएम मोदी के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पेयजल की समस्या का समाधान हो गया है। इस गांव में अलग-अलग कार्यक्रम भी हो रहे हैं। प्रदर्शनी में बुंदेलखंड के ग्रामीण महिलाओं को मंच मुहैया कराया गया है, जिसमें वे जीवन और जीवनशैली में बदलाव की कहानी भी बयां कर रहे हैं। बांदा, झांसी, चित्रकूट के कई गांवों में पानी न होने के कारण शादी नहीं हो पाती थी। ललितपुर व महोबा के उन गांवों की महिलाएं, पानी ढोने के कारण जिनके सिर से बाल गायब हो गए थे। वे भी शुद्ध पानी से जीवन में आए बदलाव की कहानी को भी वे बयां कर रही हैं। यहां हर जानकारी पांच भाषा (हिंदी, अंग्रेजी, बांग्ला, तेलगू व मराठी) में मिल रही है।

'जल मंदिर' भी दे रहा संदेश- जल जीवनदायी है, इसका संरक्षण करें

ग्रामीण जलापूर्ति व नमामि गंगे विभाग की तरफ से महाकुम्भ में 'जल मंदिर' भी बनाया गया है। 'जल मंदिर' में भगवान शिव की जटा से गंगा धरती पर आ रही हैं। इसके जरिए संदेश दिया जा रहा है कि जल प्रसाद है, जल जीवनदायी है। इसे बर्बाद नहीं, बल्कि संरक्षण करें। 'जल मंदिर' में सुबह-शाम गंगा जल आरती भी हो रही है। इस आरती में जल जीवन मिशन की गाथा, जल संरक्षण का संदेश भी दिया जा रहा है।

अतिथि देवो भवः की परंपरा का भी निर्वहन कर रहा है विभाग

'अतिथि देवो भवः' भारत की परंपरा है। स्वच्छ सुजल गांव में आने वाले अतिथियों का नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग सम्मान भी कर रहा है। आगंतुकों को जूट-कपड़े के बैग में 'जल प्रसाद' भी दिया जा रहा है। इसमें संगम का जल, जल जीवन मिशन की डायरी, सफलता/बदलाव की कहानी से जुड़ी आदि अध्ययन सामग्री भी है।

लेटेस्टली

Mahakumbh 2025: 11 लाख से अधिक आगंतुकों ने देखी 'स्वच्छ सुजल गांव' की तस्वीर

प्रयागराज के महाकुंभ मेले में नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग द्वारा बसाए गए 'स्वच्छ सुजल गांव' को अब तक 11 लाख से अधिक आगंतुकों ने देखा है. एक आधिकारिक बयान में मंगलवार को यह जानकारी दी गयी. बयान के मुताबिक यहां आने वाले श्रद्धालुओं ने योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सरकार में आए बदलाव के बाद उत्तर प्रदेश के समृद्ध गांवों की कहानी देखी.

महाकुंभ 2025 (Photo Credits: Pixabay)

लखनऊ/महाकुम्भ नगर, 11 फरवरी : प्रयागराज के महाकुंभ मेले में नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग द्वारा बसाए गए 'स्वच्छ सुजल गांव' को अब तक 11 लाख से अधिक आगंतुकों ने देखा है. एक आधिकारिक बयान में मंगलवार को यह जानकारी दी गयी. बयान के मुताबिक यहां आने वाले श्रद्धालुओं ने योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सरकार में आए बदलाव के बाद उत्तर प्रदेश के समृद्ध गांवों की कहानी देखी. नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग 'अतिथि देवो भवः' की परंपरा का भी निर्वहन कर रहा है. 'स्वच्छ सुजल गांव' में आने वाले आगंतुकों को 'जलप्रसाद' भी दिया जा रहा है. गांव में प्रतिदिन शाम को गंगा जल आरती भी हो रही है. बयान के अनुसार गांव में आगंतुकों का निरंतर आना जारी है. यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आ रहे हैं. इस गांव में 19 जनवरी, 24 जनवरी, 26 जनवरी और नौ फरवरी को सर्वाधिक पर्यटक-श्रद्धालु आए. इन चार दिनों में प्रतिदिन यह संख्या एक लाख से अधिक रही. प्रमुख स्नान पर्वों पर इस गांव में प्रवेश बंद रहा.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में जल जीवन मिशन के जरिए बुंदेलखंड के गांव-गांव में हर घर जल पहुंचाने की नई तस्वीर से भी आगंतुक रूबरू हो रहे हैं. वे यहां 2017 से पहले बदहाल और इसके बाद बदले बुंदेलखंड के बदलाव की गाथा का भी दीदार कर रहे हैं. देश-दुनिया से आए श्रद्धालु 40 हजार वर्गफीट क्षेत्र में बसे गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, ग्राम पंचायत, सौर ऊर्जा के जरिये समृद्ध उत्तर प्रदेश की नई कहानी भी देख रहे हैं. राज्य सरकार के नेतृत्व में ग्रामीण जलापूर्ति एवं नमामि गंगे विभाग ने महाकुम्भ-2025 में 'स्वच्छ सुजल गांव' बसाया है. इसका दीदार 26 फरवरी तक किया जा सकेगा.

'पेयजल का समाधान, मेरे गांव की नई पहचान' विषय पर यह गांव 40 हजार वर्गफीट क्षेत्र में बसा है. कभी प्यासे रहे बुंदेलखंड में प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पेयजल की समस्या का समाधान हो गया है. बांदा, झांसी, चित्रकूट के कई गांवों में पानी न होने के कारण शादी नहीं हो पाती थी. ललितपुर एवं महोबा के कई गांवों की महिलाओं के सिर के बाल पानी ढोने के कारण गायब हो गए थे. वे भी शुद्ध पानी से जीवन में आए बदलाव की कहानी को भी बयां कर रही हैं. यहां हर जानकारी पांच (हिंदी, अंग्रेजी, बांग्ला, तेलगू व मराठी) में मिल रही है.

NEWS NATION

महाकुंभ : 11 लाख से अधिक आगंतुकों ने देखी 'स्वच्छ सुजल गांव' की तस्वीर

महाकुंभ : 11 लाख से अधिक आगंतुकों ने देखी 'स्वच्छ सुजल गांव' की तस्वीर

(source : IANS) / Photo Credit : IANS)

लखनऊ/महाकुंभ नगर, 11 फरवरी (आईएएनएस)। योगी सरकार के नेतृत्व में नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग ने महाकुंभ-2025 में स्वच्छ सुजल गांव बसाया है। इसमें अब तक देश-दुनिया के 11 लाख से अधिक आगंतुक पहुंचे, जिन्होंने योगी सरकार के नेतृत्व में आए बदलाव के बाद यूपी के समृद्ध गांवों की कहानी देखी।

नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अतिथि देवो भवः की परंपरा का भी निर्वहन कर रहा है। स्वच्छ सुजल गांव में आने वाले आगंतुकों को जलप्रसाद भी दिया जा रहा है। वहीं, गांव में प्रतिदिन शाम को गंगा जल आरती भी हो रही है।

स्वच्छ सुजल गांव में अब तक 11 लाख से अधिक अतिथि पहुंच चुके हैं, जिन्होंने इस गांव के जरिए समृद्ध यूपी का दीदार किया। गांव में आगंतुकों का निरंतर आना जारी है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आ रहे हैं। यहां 19 जनवरी, 24 जनवरी, 26 जनवरी और 9 फरवरी को सर्वाधिक पर्यटक-श्रद्धालु आए। यह संख्या इन चार दिनों में प्रतिदिन एक लाख से अधिक रही। वहीं, यहां प्रमुख स्नान पर्वों पर प्रवेश बंद रहा।

पीएम मोदी के मार्गदर्शन और सीएम योगी के नेतृत्व में जल जीवन मिशन के जरिए बुंदेलखंड के गांव-गांव में हर घर जल पहुंचाने की नई तस्वीर से भी आगंतुक रूबरू हो रहे हैं। वे यहां 2017 से पहले बदहाल और इसके बाद बदले बुंदेलखंड के बदलाव की गाथा का भी दीदार कर रहे हैं। देश-दुनिया से आए श्रद्धालु 40 हजार स्क्वायर फीट एरिया में बसे गांव में पीएम आवास, सीएम आवास, ग्राम पंचायत, सोलर एनर्जी के जरिए समृद्ध उत्तर प्रदेश की नई कहानी भी देख रहे हैं। यह गाथा बदले यूपी की पहचान से हर आगंतुक को अवगत भी करा रही है।

योगी सरकार के नेतृत्व में ग्रामीण जलापूर्ति और नमामि गंगे विभाग ने महाकुंभ-2025 में स्वच्छ सुजल गांव बसाया है। इसका दीदार 26 फरवरी तक किया जा सकेगा। यह गांव पेयजल का समाधान, मेरे गांव की नई पहचान थीम पर 40 हजार स्क्वायर फीट एरिया में बसा है। कभी प्यासे रहे बुंदेलखंड में पीएम नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पेयजल की समस्या का समाधान हो गया है।

इस गांव में अलग-अलग कार्यक्रम भी हो रहे हैं। प्रदर्शनी में बुंदेलखंड की ग्रामीण महिलाओं को मंच मुहैया कराया गया है, जिसमें वे जीवन और जीवनशैली में बदलाव की कहानी भी बयां कर रही हैं।

बांदा, झांसी, चित्रकूट के कई गांवों में पानी न होने के कारण शादी नहीं हो पाती थी। ललितपुर और महोबा के उन गांवों की महिलाएं, पानी ढोने के कारण जिनके सिर से बाल गायब हो गए थे, वे भी शुद्ध पानी से जीवन में आए बदलाव की कहानी भी बयां कर रही हैं। यहां हर जानकारी पांच भाषाओं (हिंदी, अंग्रेजी, बांग्ला, तेलुगू और मराठी) में मिल रही है।

ग्रामीण जलापूर्ति और नमामि गंगे विभाग की तरफ से महाकुंभ में जल मंदिर भी बनाया गया है। जल मंदिर में भगवान शिव की जटा से गंगा धरती पर आ रही हैं। इसके जरिए संदेश दिया जा रहा है कि जल प्रसाद है, जल जीवनदायी है। इसे बर्बाद नहीं, बल्कि संरक्षण करें। जल मंदिर में सुबह-शाम गंगा जल आरती भी हो रही है। इस आरती में जल जीवन मिशन की गाथा, जल संरक्षण का संदेश भी दिया जा रहा है।

अतिथि देवो भवः भारत की परंपरा है। स्वच्छ सुजल गांव में आने वाले अतिथियों का नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग सम्मान भी कर रहा है। आगंतुकों को जूट-कपड़े के बैग में जल प्रसाद भी दिया जा रहा है। इसमें संगम का जल, जल जीवन मिशन की डायरी, सफलता और बदलाव की कहानी से जुड़ी आदि अध्ययन सामग्री भी है।

दिप्रिंट

महाकुंभ: 11 लाख से अधिक आगंतुकों ने देखी 'स्वच्छ सुजल गांव' की तस्वीर

भाषा 11 February, 2025 05:18 pm IST

लखनऊ/महाकुम्भ नगर, 11 फरवरी (भाषा) प्रयागराज के महाकुंभ मेले में नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग द्वारा बसाए गए 'स्वच्छ सुजल गांव' को अब तक 11 लाख से अधिक आगंतुकों ने देखा है। एक आधिकारिक बयान में मंगलवार को यह जानकारी दी गयी।

बयान के मुताबिक यहां आने वाले श्रद्धालुओं ने योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सरकार में आए बदलाव के बाद उत्तर प्रदेश के समृद्ध गांवों की कहानी देखी।

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग 'अतिथि देवो भवः' की परंपरा का भी निर्वहन कर रहा है। 'स्वच्छ सुजल गांव' में आने वाले आगंतुकों को 'जलप्रसाद' भी दिया जा रहा है। गांव में प्रतिदिन शाम को गंगा जल आरती भी हो रही है।

बयान के अनुसार गांव में आगंतुकों का निरंतर आना जारी है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आ रहे हैं। इस गांव में 19 जनवरी, 24 जनवरी, 26 जनवरी और नौ फरवरी को सर्वाधिक पर्यटक-श्रद्धालु आए। इन चार दिनों में प्रतिदिन यह संख्या एक लाख से अधिक रही। प्रमुख स्नान पर्वो पर इस गांव में प्रवेश बंद रहा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में जल जीवन मिशन के जरिए बुंदेलखंड के गांव-गांव में हर घर जल पहुंचाने की नई तस्वीर से भी आगंतुक रूबरू हो रहे हैं। वे यहां 2017 से पहले बदहाल और इसके बाद बदले बुंदेलखंड के बदलाव की गाथा का भी दीदार कर रहे हैं। देश-दुनिया से आए श्रद्धालु 40 हजार वर्गफीट क्षेत्र में बसे गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, ग्राम पंचायत, सौर ऊर्जा के जरिये समृद्ध उत्तर प्रदेश की नई कहानी भी देख रहे हैं।

राज्य सरकार के नेतृत्व में ग्रामीण जलापूर्ति एवं नमामि गंगे विभाग ने महाकुम्भ-2025 में 'स्वच्छ सुजल गांव' बसाया है। इसका दीदार 26 फरवरी तक किया जा सकेगा। 'पेयजल का समाधान, मेरे गांव की नई पहचान' विषय पर यह गांव 40 हजार वर्गफीट क्षेत्र में बसा है। कभी प्यासे रहे बुंदेलखंड में प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पेयजल की समस्या का समाधान हो गया है।

बांदा, झांसी, चित्रकूट के कई गांवों में पानी न होने के कारण शादी नहीं हो पाती थी। ललितपुर एवं महोबा के कई गांवों की महिलाओं के सिर के बाल पानी ढोने के कारण गायब हो गए थे। वे भी शुद्ध पानी से जीवन में आए बदलाव की कहानी को भी बयां कर रही हैं। यहां हर जानकारी पांच भाषा (हिंदी, अंग्रेजी, बांग्ला, तेलगू व मराठी) में मिल रही है।

महाकुम्भ में 'जल मंदिर' भी बनाया गया है। 'जल मंदिर' में प्रदर्शित झांकी में भगवान शिव की जटा से गंगा धरती पर आ रही है। इसके जरिए संदेश दिया जा रहा है कि जल प्रसाद है, जल जीवनदायी है। इसे बर्बाद नहीं, बल्कि संरक्षण करें। 'जल मंदिर' में सुबह-शाम गंगा जल आरती भी हो रही है। इस आरती में जल जीवन मिशन की गाथा, जल संरक्षण का संदेश भी दिया जा रहा है।

'अतिथि देवो भवः' भारत की परंपरा है। 'स्वच्छ सुजल गांव' में आने वाले अतिथियों का नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग सम्मान भी कर रहा है। आगंतुकों को जूट-कपड़े के बैग में 'जलप्रसाद' भी दिया जा रहा है। इसमें संगम का जल, जल जीवन मिशन की डायरी, सफलता/बदलाव की कहानी से जुड़ी आदि अध्ययन सामग्री भी है।

THE TIMES OF INDIA

Swachh Sujal Gaon camp at Maha Kumbh attracts over 11 visitors

Lucknow: The Swachh Sujal Gaon, developed by the departments of Namami Gange and Rural Water Supply at the ongoing Maha Kumbh, has attracted over 11 lakh visitors so far. The camp, spread over an area of 40,000 sqft, showcases the transformation of Uttar Pradesh's rural landscape due to the state govt's initiatives. The departments are offering 'Jal Prasad' to visitors while daily Ganga Jal Aarti is performed in the village each evening.

A spokesperson said that footfall went up significantly on important days like Jan 19, Jan 24, Jan 26, and Feb 9, when the number of visitors exceeded a lakh each day. "Visitors are also being introduced to the success of the Jal Jeevan Mission, which has ensured that every household in Bundelkhand now has access to clean drinking water. This transformation from the underdeveloped, water-scarce Bundelkhand before 2017 to its present improved state is being highlighted for visitors," the official said.

Various programmes, including exhibitions, are being held in the village. Rural women from Bundelkhand have been given a platform to share stories of how access to clean water transformed their lives.

The 'Swachh Sujal Gaon', based on the theme of 'Peyjal Ka Samadhan, Mere Gaon Ki Nai Pehchaan', will be open for visitors till Feb 26. Information is available in five languages, Hindi, English, Bengali, Telugu, and Marathi, to ensure that visitors from all over the country can connect with the changes taking place in UP.

A 'Jal Mandir' has also been constructed there, where a bust of Lord Shiva has been set up with water flowing from his hair, symbolising the arrival of the Ganga on Earth.

UP PLUS

Over 1.1 Million Visitors Witness 'Swachh Sujal Gaon'

Over 1.1 million visitors have explored the 40,000 sq. ft. 'Swachh Sujal Gaon' at Mahakumbh 2025, showcasing the transformation of rural Uttar Pradesh under the Yogi government.

sanjay Feb 11, 2025 - 22:16

Over 1.1 Million Visitors Witness 'Swachh Sujal Gaon'

Mahakumbh Nagar: Under the leadership of the Yogi government, the Namami Gange and Rural Water Supply Department have established 'Swachh Sujal Gaon' (Clean & Sustainable Water Village) across 40,000 square feet at Mahakumbh 2025. This unique village has already attracted over 1.1 million visitors, offering a glimpse into the evolving landscape of rural Uttar Pradesh.

Visitors to this village are offered 'Jal Prasad' (Holy Water Offering), while a Ganga Jal Aarti (Ganga Water Ritual) is performed every evening. The village witnessed its highest footfall on January 19, January 24, January 26, and February 9, with over 100,000 visitors per day on these occasions. Entry was temporarily restricted during major bathing festivals.

Jal Jeevan Mission: A New Identity for Bundelkhand

Under the guidance of Prime Minister Narendra Modi and the leadership of Chief Minister Yogi Adityanath, the Jal Jeevan Mission has successfully provided household water connections across Bundelkhand's villages. Visitors are witnessing the before-and-after transformation of Bundelkhand, highlighting the region's journey from a water-scarce area to a self-sufficient one.

A Glimpse of a Flourishing Village in 40,000 Sq. Ft.

The village showcases PM Awas (Prime Minister Housing Scheme), CM Awas (Chief Minister Housing Scheme), Gram Panchayat offices, and solar-powered infrastructure, reflecting the new identity of a transformed Uttar Pradesh where rural development is a priority.

Women's Participation in the Exhibition

The exhibition also highlights the role of rural women from Bundelkhand, who are sharing their experiences about water scarcity and its solutions through the Jal Jeevan Mission.

Villages in Banda, Jhansi, and Chitrakoot where marriages were once postponed due to a lack of water.
Women from Lalitpur and Mahoba, who suffered hair loss due to carrying water over long distances, now speak about how access to clean water has transformed their lives.
'Jal Mandir' - A Message of Water Conservation
A special 'Jal Mandir' (Water Temple) has been set up at Mahakumbh, showcasing a symbolic representation of Ganga flowing from Lord Shiva's locks. The installation conveys the message that "Water is sacred, life-giving, and must be preserved."

'Atithi Devo Bhava' - Honoring Visitors with Jal Prasad

In line with the Indian tradition of 'Atithi Devo Bhava' (Guests are God), the Namami Gange and Rural Water Supply Department is honoring visitors with a 'Jal Prasad' package, which includes:

Holy water from the Sangam (confluence of rivers)
A Jal Jeevan Mission diary
Study material highlighting success stories of transformation
The 'Swachh Sujal Gaon' will remain open for visitors until February 26, 2025, offering a unique insight into the remarkable progress of Uttar Pradesh's rural development.

Swachh Sujal Gaon At Mahakumbh: A 40,000 Sq Ft Showcase of UP's Rural Transformation Under CM Yogi's Leadership

The 'Swachh Sujal Gaon' will be open for visitors until February 26, 2025. The village, built around the theme 'Peyjal Ka Samadhan, Mere Gaon Ki Nai Pehchaan' (Water Solution, My Village's New Identity), is spread over 40,000 square feet.

Vanshika Tyagi

February 11, 2025 5:53 PM Asia/Kolkata IST
Updated 1 month ago

The Swachh Sujal Gaon, developed by the Namami Gange and Rural Water Supply Departments at Mahakumbh under the leadership of Chief Minister Yogi Adityanath, has attracted over 11 lakh visitors so far.

Spread over an area of 40,000 sq ft, Swachh Sujal Gaon showcases the transformation of Uttar Pradesh's rural landscape under the state government's initiatives. It offers visitors a glimpse into Uttar Pradesh's success story, showcasing villages transformed by landmark state government reforms.

The 'Swachh Sujal Gaon" also reflects the age-old tradition of 'Atithi Devo Bhava,' with visitors being served 'Jal Prasad' (water offerings) during their visit. Additionally, daily Ganga Jal Aarti is held in the village each evening.

The village continues to receive a steady influx of visitors, with significant footfall on specific dates such as January 19, January 24, January 26, and February 9, when the number of visitors exceeded one lakh each day. However, entry to the village was restricted on major bathing festivals.

Visitors are also being introduced to the success of the Jal Jeevan Mission under the guidance of Prime Minister Narendra Modi and Chief Minister Yogi Adityanath, which has ensured that every household in Bundelkhand now has access to clean drinking water.

This transformation from the underdeveloped, water-scarce Bundelkhand before 2017 to its present improved state is also being highlighted for visitors.

Visitors can also witness the modern-day story of Uttar Pradesh's rural development, including the PM Awas Yojana, CM Awas Yojana, village panchayats, and the use of solar energy to create a prosperous, sustainable environment.

The 'Swachh Sujal Gaon' will be open for visitors until February 26, 2025. The village, built around the theme 'Peyjal Ka Samadhan, Mere Gaon Ki Nai Pehchaan' (Water Solution, My Village's New Identity), is spread over 40,000 square feet.

This model village demonstrates how the water scarcity issues in Bundelkhand have been addressed under the leadership of PM Modi and CM Yogi. Various programs, including exhibitions, are being held in the village. Rural women from Bundelkhand have been given a platform to share their stories of how access to clean water has transformed their lives.

Many women from villages in Banda, Jhansi, Chitrakoot, Lalitpur, and Mahoba, where water scarcity previously led to difficulties such as delayed marriages or severe health impacts like hair loss due to the burden of carrying water, are sharing their transformation stories.

Information in the village is available in five languages: Hindi, English, Bengali, Telugu, and Marathi, ensuring that visitors from all over the country can connect with the changes taking place in Uttar Pradesh.

The Rural Water Supply and Namami Gange Departments have also created a 'Jal Mandir.' In this, water flows from Lord Shiva's hair locks, symbolizing the arrival of the Ganga to Earth.

The message being conveyed is that water is a blessing and life-giving, and it should not be wasted but conserved. Daily Ganga Jal Aarti is held at the Jal Mandir, where the story of the Jal Jeevan Mission and the importance of water conservation are shared.

In keeping with India's tradition of 'Atithi Devo Bhava' (The guest is God), the Namami Gange and Rural Water Supply Departments are honoring visitors to the Swachh Sujal Gaon.

Guests are offered 'Jal Prasad' in jute bags, which includes water from the Sangam, a diary related to the Jal Jeevan Mission, and educational materials related to success stories and transformations that have taken place.

हिन्दुस्तान

महाकुंभ के स्वच्छ सुजल गांव में पानी की गुणवत्ता जांच रहे श्रद्धालु

Lucknow News - महाकुंभ नगर में जल जीवन मिशन की प्रदर्शनी में श्रद्धालुओं को पानी की शुद्धता के बारे में जानकारी दी जा रही है। स्वच्छ सुजल गांव में वॉटर टेस्टिंग लैब से श्रद्धालुओं को बताया जा रहा है कि वे अपने गांव...

Newswrap ▪ हिन्दुस्तान, लखनऊ

Tue, 18 Feb 2025 06:27 PM

-श्रद्धालुओं को पानी की शुद्धता जांचने के बारे में दी जा रही जानकारी लखनऊ, विशेष संवाददाता महाकुंभ नगर के सेक्टर-7 स्थित जल जीवन मिशन की स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी लगी है। इसमें आने वाले श्रद्धालुओं को जल जीवन मिशन से ग्रामीणों का जीवन कैसे बदला इसकी जानकारी तो मिल ही रही है। साथ ही उनके घरों में कितना शुद्ध पानी सप्लाई हो रहा है और ये पानी दूसरे स्त्रोतों से मिलने वाले पानी से कितना शुद्ध है, इसकी जानकारी भी दी जा रही है। यही नहीं स्वच्छ सुजल गांव में बनी वॉटर टेस्टिंग लैब में प्रयागराज, संगमनगरी के आसपास के जिलों और महाकुंभ नगर में स्टॉल लगाने वाली विभिन्न संस्थाएं भी पानी की शुद्धता जांच कर रही हैं।

श्रद्धालुओं को पानी की शुद्धता जांचने की दी जा रही जानकारी

स्वच्छ सुजल गांव में आने वाले श्रद्धालुओं को वॉटर टेस्टिंग लैब में बताया जा रहा है कि किस तरह से कोई व्यक्ति अपने गांव में पानी की जांच करवा सकता है। वॉटर टेस्टिंग लैब के जरिए यहां आने वाले श्रद्धालु ये जान रहे हैं कि पीने योग्य पानी का पीएच लेवल क्या होना चाहिए। पानी का टीडीएस कितना होना चाहिए। इन सब की जानकारी दी जा रही है। इसके अलावा श्रद्धालुओं को ये भी बताया जा रहा है कि किस तरह से वो अपने गांव में ही पानी की जांच करवा सकते हैं। लैब में तैनात केमिस्ट धनंजय सिंह बताते हैं कि प्रयागराज और आसपास के जिलों से रोजाना 50 से 70 वॉटर सैंपल लाए जा रहे हैं। कभी-कभी ये संख्या ज्यादा भी होती है। वॉटर टेस्टिंग लैब में पानी की 9 मानकों पर जांच की जाती है। इसमें क्लोराइड, हार्डनेस, आयरन, नायट्रेट, फ्लोराइड, क्लोरीन, पीएच, टर्बिडीटी, अल्कलिनीटी शामिल हैं।

NBT नवभारत टाइम्स
By THE TIMES OF INDIA

महाकुंभ में स्नान के साथ पानी गुणवत्ता की हो रही जांच, जल जीवन मिशन से लोगों का कैसे बदला जीवन की दी जा रही जानकारी

Prayagraj Mahakumbh 2025 : महाकुंभ में एक ओर लोग जहां संगम में स्नान कर रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर लोगों को जल जीवन मिशन से लोगों का जीवन कैसे बदल गया, इसकी जानकारी दी जा रही है। महाकुंभ नगर सेक्टर-7 में स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी में रोजाना 50 से 70 पानी के सैंपल की जांच हो रही है।

प्रयागराज: महाकुंभ नगर के सेक्टर-7 स्थित जल जीवन मिशन की स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी में आने वाले श्रद्धालुओं को जल जीवन मिशन से ग्रामीण लोगों का जीवन कैसे बदला इसकी जानकारी तो मिल ही रही है। साथ ही उनके घरों में कितना शुद्ध पानी सप्लाई हो रहा है और ये पानी दूसरे स्रोतों से मिलने वाले पानी से कितना शुद्ध है। इसकी जानकारी भी दी जा रही है। इतना ही स्वच्छ सुजल गांव में बनी वॉटर टेस्टिंग लैब में प्रयागराज, संगमनगरी के आसपास के जिलों और महाकुंभ नगर में स्टॉल लगाने वाली विभिन्न संस्थाएं भी पानी की टेस्टिंग करवा रही हैं और पानी की शुद्धता की जांच कर रही हैं।

पानी की शुद्धता जांचने के बारे में दी जा रही जानकारी

स्वच्छ सुजल गांव में आने वाले श्रद्धालुओं को वॉटर टेस्टिंग लैब में बताया जा रहा है कि किस तरह से कोई व्यक्ति अपने गांव में पानी की जांच करवा सकता है। स्वच्छ सुजल गांव में स्थापित वॉटर टेस्टिंग लैब के जरिए यहां आने वाले श्रद्धालु ये जान रहे हैं कि पीने योग्य पानी का पीएच लेवल क्या होना चाहिए। पानी का टीडीएस कितना होना चाहिए। इन सब की जानकारी दी जा रही है। इसके अलावा श्रद्धालुओं को ये भी बताया जा रहा है कि किस तरह से वो अपने गांव में ही पानी की जांच करवा सकते हैं।

रोजाना 50-70 पानी के सैंपल की हो रही जांच

पानी की शुद्धता के बारे में जानकारी देने के साथ ही प्रयागराज और आसपास के जिलों के लोग पानी भी लेकर आ रहे हैं। जिनकी जांच स्वच्छ सुजल गांव में स्थापित वॉटर टेस्टिंग लैब में की जा रही है। इतना ही नहीं महाकुंभ नगर में स्टॉल लगाने वाली विभिन्न संस्थाएं भी अपने स्टॉलों के पानी का सैंपल लाकर इस लैब में जांच करवा रही हैं। जो भी श्रद्धालु पानी लाता है, उसकी जांच लैब में कार्यरत कर्मचारी करते हैं और पानी की गुणवत्ता के बारे में पूरी जानकारी मुहैया कराते हैं। स्वच्छ सुजल गांव की वॉटर टेस्टिंग लैब में तैनात केमिस्ट धनंजय सिंह बनाते हैं कि रोजाना प्रयागराज और आसपास के जिलों से रोजाना 50 से 70 वॉटर सैंपल लाए जा रहे हैं। कभी-कभी ये संख्या ज्यादा भी होती है। वॉटर टेस्टिंग लैब में पानी की 9 मानकों पर जांच की जाती है।

NATIONAL NEWS VISION

स्वच्छ सुजल गांव की वॉटर टेस्टिंग लैब से पानी की गुणवत्ता जांच रहे श्रद्धालु

By **National News Vision** - February 18, 2025

127 0

महाकुंभ नगर। महाकुंभ नगर के सेक्टर-7 स्थित जल जीवन मिशन की स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी में आने वाले श्रद्धालुओं को जल जीवन मिशन से ग्रामीण लोगों का जीवन कैसे बदला इसकी जानकारी तो मिल ही रही है।

साथ ही उनके घरों में कितना शुद्ध पानी सप्लाई हो रहा है और ये पानी दूसरे स्त्रोतों से मिलने वाले पानी से कितना शुद्ध है। इसकी जानकारी भी दी जा रही है।

इतना ही स्वच्छ सुजल गांव में बनी वॉटर टेस्टिंग लैब में प्रयागराज, संगमनगरी के आसपास के जिलों और महाकुंभ नगर में स्टॉल लगाने वाली विभिन्न संस्थाएं भी पानी की टेस्टिंग करवा रही हैं और पानी की शुद्धता की जांच कर रही हैं।

श्रद्धालुओं को पानी की शुद्धता जांचने के बारे में दी जा रही जानकारी

स्वच्छ सुजल गांव में आने वाले श्रद्धालुओं को वॉटर टेस्टिंग लैब में बताया जा रहा है कि किस तरह से कोई व्यक्ति अपने गांव में पानी की जांच करवा सकता है।

स्वच्छ सुजल गांव में स्थापित वॉटर टेस्टिंग लैब के जरिए यहां आने वाले श्रद्धालु ये जान रहे हैं कि पीने योग्य पानी का पीएच लेवल क्या होना चाहिए। पानी का टीडीएस कितना होना चाहिए। इन सब की जानकारी दी जा रही है। इसके अलावा श्रद्धालुओं को ये भी बताया जा रहा है कि किस तरह से वो अपने गांव में ही पानी की जांच करवा सकते हैं।

रोजाना 50-70 पानी के सैंपल की हो रही जांच

पानी की शुद्धता के बारे में जानकारी देने के साथ ही प्रयागराज और आसपास के जिलों के लोग पानी भी लेकर आ रहे हैं। जिनकी जांच स्वच्छ सुजल गांव में स्थापित वॉटर टेस्टिंग लैब में की जा रही है।

इतना ही नहीं महाकुंभ नगर में स्टॉल लगाने वाली विभिन्न संस्थाएं भी अपने स्टॉलों के पानी का सैंपल लाकर इस लैब में जांच करवा रही हैं। जो भी श्रद्धालु पानी लाता है, उसकी जांच लैब में कार्यरत कर्मचारी करते हैं और पानी की गुणवत्ता के बारे में पूरी जानकारी मुहैया कराते हैं।

पंडाल में सप्लाई होने वाले पानी की जांच करा रही विभिन्न संस्थाएं

स्वच्छ सुजल गांव की वॉटर टेस्टिंग लैब में तैनात केमिस्ट धनंजय सिंह बनाते हैं कि रोजाना प्रयागराज और आसपास के जिलों से रोजाना 50 से 70 वॉटर सैंपल लाए जा रहे हैं। कभी-कभी ये संख्या ज्यादा भी होती है। वॉटर टेस्टिंग लैब में पानी की 9 मानकों पर जांच की जाती है।

इन पैरामीटर पर होती है पानी की जांच

क्लोराइड, हार्डनेस, आयरन, नायट्रेट, फ्लोराइड, क्लोरीन, पीएच, टर्बिडीटी, अल्कलिनीटी

THE TIMES OF INDIA

Mahakumbh: Devotees flock to Swachh Sujal Gaon's water testing lab

TIMESOFINDIA.COM / Feb 18, 2025, 18:49 IST

SHARE AA FOLLOW US

The Jal Jeevan Mission's 'Swachh Sujal Gaon' exhibition in Mahakumbh is showcasing the mission's impact on rural lives through clean drinking water. Visitors can test water samples and learn ideal pH and TDS levels. Highlighting Bundelkhand's success in achieving tap water connections, the exhibition emphasizes th ... Read More

MAHAKUMBH NAGAR: The Jal Jeevan Mission's 'Swachh Sujal Gaon' exhibition in Sector-7 of Mahakumbh area is educating devotees about the transformative impact of the mission on rural lives. Visitors are learning how the mission is providing clean drinking water to rural household and how this water is better in quality in comparison to other water sources.

One of the attractions at the exhibition is the on-site water testing laboratory, where devotees from Prayagraj and surrounding districts are getting their water samples tested. Various organizations participating in the exhibition are also utilizing the laboratory to test the purity of water and promote awareness about water quality.

The devotees are being educated on how to test the quality of water in their villages. The on-site Water Testing Laboratory is providing visitors with crucial information on the ideal pH levels and Total Dissolved Solids (TDS) for drinking water.

50-70 water samples being tested daily

The on-site water testing laboratory is testing around 50-70 water samples daily from Prayagraj and surrounding districts. In addition to individual devotees, various organizations participating in the exhibition are also getting their water samples tested at the laboratory. The lab's staff, led by chemist Dhananjay Singh, analyses each sample against nine standard parameters, providing detailed information on water quality. The laboratory's daily testing capacity often exceeds 70 samples, demonstrating the growing interest in water quality among locals and visitors alike.

Water samples are tested to check nine crucial parameters-- Chloride, Hardness, Iron, Nitrate, Fluoride, Chlorine, pH, Turbidity and Alkalinity. These parameters help assess the quality and safety of drinking water.

The exhibition is also showcasing the success story of Bundelkhand, which was once plagued by water scarcity but now boasts tap water connections in every household. The initiative highlights the benefits of clean drinking water and promotes water conservation through interactive games and digital displays.